साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 03 नवंबर से 09 नवंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...

पेज 10 में...
नई विधान सभा का खुला कपाट

पेज 12 में...
सबसे काबिल... डॉ. रमन सिंह

वर्ष : 01 अंक : 35 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 03 दिल से... दिल दहला देने वाली बात तक

शेरनियां बनीं वर्ल्ड चैंपियन

52 साल बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार जीता वर्ल्ड कप

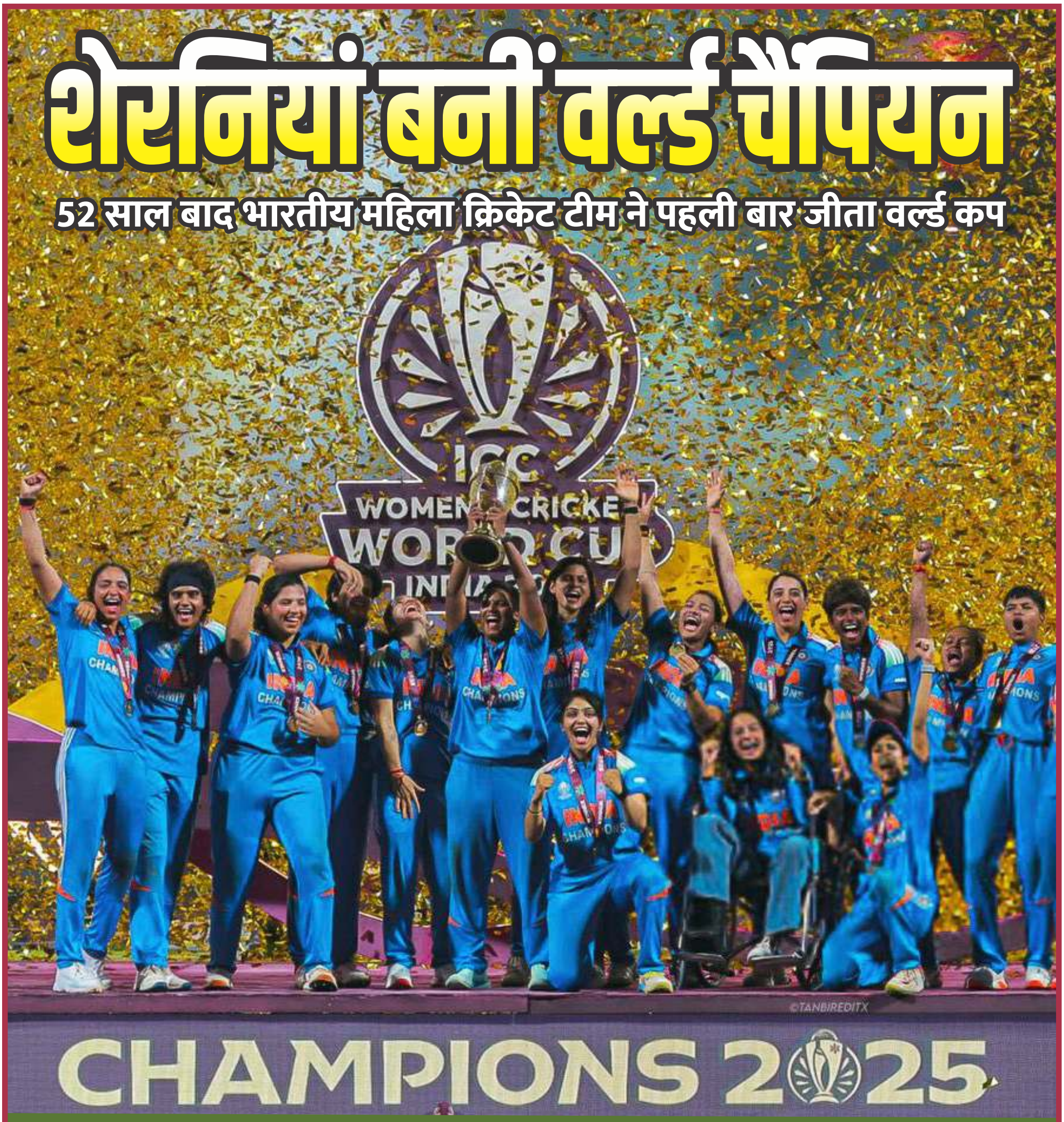

सुमित यादव/शहरसत्ता

भारतीय टीम आखिरकार 52 साल लंबे इंतजार के बाद पहली बार ODI वर्ल्ड चैंपियन बन गई है. भारत ने 2025 वर्ल्ड कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराया. नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में हुई खिताबी भिड़ंत में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए स्कोरबोर्ड पर 298 रन लगाए थे. जवाब में लॉरा वुल्फार्ट ने शतकीय पारी खेल दक्षिण अफ्रीकी टीम की उम्मीद बनाए रखीं. उन्होंने 101 रन की पारी खेली. मगर शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा की घातक गेंदबाजी ने भारत को पहली बार विश्व विजेता बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया.

महिला वर्ल्ड कप की शुरुआत 1973 में हुई थी, लेकिन भारतीय टीम अब तक कभी विश्व विजेता का तमगा हासिल नहीं कर पाई थी. आखिरकार हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने इतिहास रच डाला है. टीम इंडिया इससे पहले 2005 और 2017 का फाइनल खेल चुकी थी, लेकिन 2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिख चला है.

शेफाली 'सरप्राइज' वर्मा

शेफाली वर्मा बतौर रिप्लेसमेंट इस वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में खेलने आई थीं. कौन जानता था कि फाइनल में वो भारत की ऐतिहासिक जीत की हीरो बन जाएंगी. फाइनल मैच में उन्होंने 87 रनों की यादगार पारी खेली. कप्तान हरमनप्रीत ने उन्हें गेंद सौंप कर बहुत बड़ा दांव खेला. शेफाली 'सरप्राइज पैकेज' साबित हुईं. पहले उन्होंने सून लूस को आउट करके पनप रही बड़ी पार्टनरशिप को तोड़ा. मैरिजेन काप को भी उन्होंने आउट किया.

दीप्ति शर्मा का पंजा

जो योगदान बैटिंग में शेफाली वर्मा का रहा, वो गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा का रहा. उन्होंने 9.3 ओवर में केवल 39 रन देकर 5 विकेट लिए. दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वुल्फार्ट को भी उन्होंने ही आउट किया, जिन्होंने 101 रन की शतकीय पारी के दौरान निरंतर टीम इंडिया की मुश्किल बढ़ाई हुई थी. वुल्फार्ट अकेले लड़ती रहीं, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिला.

25 साल बाद नया चैंपियन

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ही महिला ODI वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीत पाई थीं. आखिरी बार महिला वनडे क्रिकेट को नया चैंपियन साल 2000 में मिला था, जब न्यूज़ीलैंड चैंपियन बनी थी. उससे पहले और उसके बाद भी ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ही चैंपियन बनते आए हैं. अब 25 साल बाद भारत के रूप में महिला वनडे क्रिकेट को नया चैंपियन मिला है.

दीप्ति शर्मा प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

ICC विमेंस वर्ल्ड कप को एक नया चैंपियन मिल ही गया. सालों से चली आ रही ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की बादशाहत खत्म हो गई और टीम इंडिया पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बन गई. नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को फाइनल में हराकर वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाने का लंबा इंतजार खत्म कर दिया. टीम इंडिया काये इंतजार खत्म कराने में कई खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही लेकिन इसमें दीप्ति शर्मा का नाम सबसे ऊपर रहेगा, जिन्होंने सिर्फ फाइनल ही नहीं बल्कि पूरे वर्ल्ड कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और इसलिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गईं. फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच तो शेफाली वर्मा रहीं, जिन्होंने 87 रन बनाए और 2 बड़े विकेट भी लिए. मगर पूरे टूर्नामेंट में निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाली दीप्ति को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया गया. दीप्ति ने फाइनल में 5 विकेट लिए और इसके साथ ही वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. वो फाइनल में 4 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली स्पिनर बन गईं. इस पूरे टूर्नामेंट में दीप्ति ने 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन बनाए और फिर सबसे ज्यादा 22 विकेट लेकर नंबर-1 बॉलर भी बनीं. इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए ही दीप्ति को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के सबसे बड़े अवॉर्ड से नवाजा गया.

टीम से बाहर रही शेफाली वर्मा बनीं फायनल की नायिका

फाइनल में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाली शेफाली वर्मा को पहले वर्ल्ड कप स्क्वाड में शामिल नहीं किया गया था. चयनकर्ताओं ने उनके प्रदर्शन में निरंतरता न होने की वजह से उन्हें टीम से ड्रॉप कर दिया था. यहां तक रिजर्व खिलाड़ियों की लिस्ट में भी शेफाली को जगह नहीं मिली थी. प्रतिका रावल के चोटिल होने पर शेफाली वर्मा की किस्मत चमक गई. बांग्लादेश के खिलाफ मैच में फील्डिंग करते हुए प्रतिका रावल चोटिल हो गई थीं. उनका पैर मुड़ गया था. इसी वजह से उन्हें विश्व कप के नॉकआउट मैचों से बाहर किया गया और शेफाली वर्मा को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया. इस तरह शेफाली वर्मा एक साल से भी ज्यादा समय बाद भारत की वनडे टीम में लौटीं. इससे पहले सेमीफाइनल में शेफाली सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हो गई थीं, लेकिन फाइनल में उन्होंने महफिल लूट ली. फाइनल मैच में शेफाली वर्मा ने बल्ले से पहले सिर्फ 78 गेंद में 87 रनों की तूफानी पारी खेली. इस दौरान उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के निकले. इसके बाद गेंदबाजी में उन्होंने दो विकेट झटके. शेफाली ने पहले सुने लुस को आउट किया और फिर मारिजाने कैप को पवेलियन भेजा. शेफाली के इस धमाकेदार प्रदर्शन की बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला.

व्हीलचेयर पर बैठकर मैदान पर आईं प्रतिका, टीम के साथ मनाया जश्न

भारतीय टीम जीत का जश्न बना रही थी। उसकी जीत का मजा तब दोगुना हो गया, जब चोटिल प्रतिका रावल व्हीलचेयर पर बैठे बीच मैदान पहुंचीं। प्रतिका रावल ने भारतीय टीम के सभी साथियों को जीत की शुभकामनाएं दीं और पूरी टीम उन्हें घेरकर खड़ी हो गईं। प्रतिका रावल ने टीम के साथियों के साथ खड़े होकर भांगड़ा भी किया। यह दिल जीत लेने वाला पल रहा। प्रतिका रावल ने प्रसारणकर्ता से बातचीत में कहा, 'मैं अपनी बातें बयां नहीं कर सकती। इस भावना को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरे कंधें पर यह तिरंगा है, इसका काफी मायने हैं और यहां टीम के साथ होना शानदार महसूस हो रहा है। चोट तो खेल का हिस्सा हैं। बहुत खुश हूं कि इस टीम का हिस्सा हूं, यह विजेता टीम। मैं इस टीम से बहुत प्यार करती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि हमने खिताब जीता। हम पहली टीम है, जिसने लंबे समय बाद वर्ल्ड कप जीता।

दिल से... दिल दहला देने वाली बात तक

दो साल तक 11 अस्पतालों में मरीजों को यही घटिया पेरासिटामोल दवा खिलाई गई

- पांच महीने में 3 दवाओं, 5 इंजेक्शन, 4 उपकरण और किट घटिया क्वालिटी के निकले
- 1 साल 30 दिन तक एसिक्लोफेनाक 100 एमजी + पेरासिटामोल 325 एमजी यूज हुई
- स्टॉक तक़रीबन खत्म होने के बाद CGMSC ने लगाया बैन, जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज लिमिटेड (CGMSC) ने मासूमों को बिना जांचे ही दवाएं वितरित किया। पिछले 1 साल 6 महीने से पेरासिटामोल 500 एमजी बैच नंबर RT24032 निर्माता 9M इंडिया लिमिटेड का उपयोग किया जाता रहा। इसी तरह पिछले 2 साल से पेरासिटामोल 500 एमजी बैच नंबर RT23547 निर्माता 9M इंडिया लिमिटेड का वितरण किया गया। मासूमों के लीवर और किडनी से खिलवाड़ करने वाली यह दवा के अलावा छत्तीसगढ़ में कृमि की दवा एल्बेंडाजोल टैबलेट (D-12) के 6 बैच संदिग्ध बन गई। इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। ये दवाएं पिछले 14 महीने से अस्पतालों और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दी जा रही थी। इन दवाओं का इस्तेमाल रायपुर के अंबेडकर अस्पताल, डीकेएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, आसपास के स्वास्थ्य केंद्रों और बलौदाबाजार के अस्पतालों में किया जा रहा था।

दवाओं के इन बैच पर रोक

- **पेरासिटामोल 500 एमजी बैच नंबर : RT24032 निर्माता : 9M इंडिया लिमिटेड उपयोग में : पिछले 1 साल 6 महीने से**
- **पेरासिटामोल 500 एमजी बैच नंबर : RT23547 निर्माता : 9M इंडिया लिमिटेड उपयोग में : पिछले 2 साल से**
- **एसिक्लोफेनाक 100 एमजी + पेरासिटामोल 325 एमजी बैच नंबर : APC 508 निर्माता : हिलर्स लैब उपयोग में : 1 साल 30 दिन से**

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

छत्तीसगढ़ में दो बातें चर्चा में है। एक विश्व प्रसिद्द सत्यसाईं अस्पताल में PM का बीमार मासूमों से दिल की बात करना दूसरा CGMSC द्वारा गरीबों मासूमों के लिए बिना तस्दीक के 11 अस्पतालों में घटिया पेरासिटामोल भेजने वाली दिल दहलाने वाली बात। दो साल तक मरीजों को यही दवा खिलाई गई, लगभग स्टॉक खत्म होने के बाद बैन लगाया ! इससे पहले भी बच्चों को पिछले 14 महीनों से दी जा रही कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल टैबलेट (D-12) के 6 बैच पर रोक लगाई गई थी और उनके इस्तेमाल को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए गए थे। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (CGMSCL) ने महासमुंद स्थित 9M इंडिया लिमिटेड द्वारा सप्लाई की गई 2024 की विभिन्न खेपों में पैरासिटामोल 500 एमजी और 650 एमजी टैबलेट की गुणवत्ता में प्रथम दृष्टया कमी पाई है। इसके बाद निगम के दवा गोदामों और स्वास्थ्य इकाइयों से मिली शिकायतों के बाद वर्ष 2024 में निर्मित बैचों की जांच कराई गई है।

खतरे में गरीब मासूम

इनमें से 4 बैच जून 2024 में बने थे, जो अब लगभग खत्म होने के कगार पर थी। बाकी 2 बैच मार्च 2025 के हैं। इन दवाओं की सप्लाई अस्पतालों के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में भी की जाती है। इन सभी बैचों की दवाएं एफ्फी पैरेंटल्स कंपनी की हैं। जारी आदेश के अनुसार, इन दवाओं का बचा हुआ स्टॉक अस्पतालों से वापस मंगाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ये दवाएं 14 महीने से ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं। इसका मतलब है कि पिछले 14 महीनों से बच्चों को खराब दवाएं दी जा रही थीं।

खराब एल्बेंडाजोल का यह दुष्प्रभाव

खराब क्वालिटी का मतलब है – दवा में पर्याप्त सक्रिय तत्व न होना, गलत तरीके से मैन्युफैक्चरर होना या कंटामिनेशन होना। कीड़े पूरी तरह खत्म नहीं होंगे। बार-बार संक्रमण (Reinfection) होता रहेगा। अगर मस्तिष्क या लिवर में टेपवर्म सिस्ट का इलाज ठीक से न हो पाए तो मरीज को दौरे, ब्रेन स्वेलिंग, लिवर डैमेज जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है। गलत क्वालिटी में अशुद्धियां होने पर उल्टी, दस्त, सिरदर्द, एलर्जी, लीवर डैमेज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर क्वालिटी खराब हो तो बच्चों में विकास रुकना, खून की कमी, कमजोरी बनी रह सकती है।

चेतावनी क्यों कार्रवाई क्यों नहीं ?

साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि कंपनी ने तय शर्तों के अनुरूप कार्यवाही नहीं की, तो निविदा नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी और इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कंपनी की होगी। CGMSCL की जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि संबंधित बैच की दवाइयों की गुणवत्ता में कमी है और उन पर काले धब्बे पाए गए हैं जो आम लोगों के उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं। इसके बाद निगम ने आदेश जारी करते हुए कंपनी को नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सभी संदिग्ध बैच तत्काल दवा गोदामों और स्वास्थ्य संस्थाओं से वापस लेने और उसकी जगह गुणवत्तापूर्ण नई खेप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

CGMSC द्वारा दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सतर्कता

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (CGMSC) ने राज्य में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर अपनी सतर्कता दिखाते हुए लगातार ठोस कदम उठा रहा है। इसी क्रम में राज्य औषधि भंडार, कवर्धा में की गई नियमित जांच के दौरान ओफ्लैक्सासीन + ओर्निडजोल टैबलेट (ड्रग कोड - SP1978) की कुछ टैबलेट्स को लेकर शिकायतें मिली। जानकारी मिलते ही CGMSC ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन बैचों की सप्लाई रोक दी है। सभी जिला भंडारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्टॉक की जांच करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, संबंधित दवाओं को री-टेस्टिंग (पुनः जांच) के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सावधानी के तहत इन बैचों को "क्वारंटाइन" में रखा गया है और किसी भी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य संस्था में इनकी आपूर्ति फिलहाल बंद कर दी गई है। जब तक जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती, इन दवाओं के उपयोग पर रोक रहेगी। CGMSC ने कहा है कि मरीजों को केवल अच्छी और मानक गुणवत्ता वाली दवाएं ही उपलब्ध कराई जाएं, इसके लिए संस्था लगातार जांच और निगरानी कर रही है।

- **अच्छी और मानक गुणवत्ता वाली दवाएं की उपलब्धता के लिए की जा रही है जांच और निगरानी**
- **कवर्धा में दवाओं की गुणवत्ता की जांच, शिकायत मिलने पर CGMSC ने सप्लाई तत्काल रोकी**

राज्योत्सव: सूर्य-किरण के शौर्य के साथ दिखेगा आकाश गंगा का पराक्रम

- 8000 फीट से कूदेंगे एयरफोर्स के लड़ाके
- आगरा से रायपुर पहुंचे इंस्ट्रक्टर

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में एयरफोर्स के स्पेशल लड़ाके करीब 8 हजार फीट की ऊंचाई से पैरा जंप करेंगे। राज्योत्सव में प्रदेश की जनता को रोमांच के साथ भारतीय सेना की जांबाजी का अनुभव करने सूर्य किरण और आकाश गंगा की टीमें तैयार हैं। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस (राज्योत्सव) के 25 साल पूरे होने पर इस बार राजधानी रायपुर के सेंध तालाब के ऊपर भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम आकाश गंगा पहली बार एयर शो करने जा रही है। इसके अलावा एयरफोर्स के स्पेशल लड़ाके भी करीब 8 हजार फीट की ऊंचाई से पैरा जंप करेंगे।

रविवार को पैराटूपर ट्रेनिंग स्कूल से एक प्रशिक्षक रायपुर पहुंचे हैं, जो करतब दिखाएंगे। उन्होंने पैरा जंपिंग के लिए टेबल पर जगह चिह्नित की और हरी झंडी दिखाई। इसके बाद लगभग 8 लोगों की एक विशेष टीम जल्द ही रायपुर पहुंच सकती है। वायुसेना की टीम 4 नवंबर को रिहर्सल पूरी करेगी। 5 नवंबर को रोबोटिक शो में बॉम्ब बर्स्ट, हार्ट-इन-द-स्काई और एरोहेड जैसे शानदार फॉर्मेशन दर्शकों को जोश और देशभक्ति से भर देंगे। संभागायुक्त महादेव कावरे, आईजी अमरेश मिश्रा, कलेक्टर गौरव सिंह और एसएसपी लाल उम्मेद सिंह ने तैयारियों का जायजा लिया।

सूर्य किरण की टीम 40 मिनट तक दिखाएगी करतब

वहीं 5 नवंबर को सुबह 10 बजे सूर्य किरण के 9 फाइटर जेट्स आसमान में एक साथ करतब दिखाएंगे। करीब 40 मिनट तक चलने वाले इस शो में फॉर्मेशन फ्लाइंग और एयरोबेटिक स्टंट्स देखे जा सकेंगे।

रायपुर में मिला गौ मांस, गौ सेवकों ने लगाया तस्करी का आरोप

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र में गौ मांस मिलने से हड़कंप मच गया। गौ-सेवकों ने आरोप लगाया कि इलाके में गौ मांस की तस्करी की जा रही है। वहीं विधानसभा थाना को इस घटना की सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने मौके से एक चारपहिया वाहन और गौ मांस के अवशेष जब्त किए हैं। विधानसभा थाना की पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

ग्राम छपोरा के भगवान दास गेन्डरे ने विधानसभा थाने में शिकायत की थी। रिपोर्ट में बताया कि उसने 1 नवंबर को गौवंश को गांव में चरने के लिए छोड़ा था, लेकिन वो रात में वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी गौवंश का कोई पता नहीं चल सका। दूसरे दिन भगवान दास ने गांव के लोगों से गौ वंश को लेकर पूछताछ की तो पता चला कि उसकी गौवंश को इंदर चंद लहरी ने काट डाला और उसके मांस को बेच दिया। इसके बाद भगवान दास थाना पहुंचा और इंदर चंद के खिलाफ शिकायत की। उसने बताया कि इंदर चंद गौ वंश काट डाला और उसके मांस को बेच दिया। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गाय की पहले ही मौत हो चुकी थी, जिसके बाद आरोपी ने बिना अनुमति के उसका मांस काटा था। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में इसकी पुष्टि की है। गौ वंश मालिक की शिकायत पर पुलिस आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर ली है। पूरे मामले का खुलासा रायपुर पुलिस के अधिकारी जल्द करेंगे।

पीसीसी चीफ बैज ने पूछा–क्या झीरम 2 की तैयारी में है सरकार ?

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के सरेंडर को लेकर सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नक्सलियों के लगातार हो रहे आत्मसमर्पण के पीछे कहीं कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार "झीरम 2" की तैयारी में है?"

दीपक बैज ने कहा कि हाल के दिनों में नक्सलियों के सरेंडर की खबरें लगातार आ रही हैं, लेकिन इसके पीछे सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी ऑपरेशन बंद कर दिए गए हैं, तो सरकार और नक्सलियों के बीच आखिर कौन-सी शांति वार्ता हुई है? जब 200 नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे थे, तब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों मौजूद थे, फिर वे मौके पर क्यों नहीं पहुंचे? उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिकता क्यों निभाई गई?

उन्होंने आगे सवाल किया कि रूपेश उर्फ अभय, जो एक सक्रिय नक्सली कमांडर बताया जा रहा है, उसे बड़े मीडिया के सामने पेश क्यों नहीं किया गया। बैज ने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि सरकार नक्सलियों के मामले में आखिर किस नीति पर काम कर रही है।

साव ने कहा– कांग्रेस नक्सल समर्थकों के साथ

दीपक बैज के इस बयान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा देश तोड़ने वालों के साथ नजर आती है। सरगुजा से हमने नक्सलवाद खत्म किया है, अब बस्तर से भी उसे जड़ से मिटा देंगे। साव ने कहा कि भाजपा सरकार नक्सलवाद के खिलाफ पूरी ताकत से काम कर रही है।

जादू-टोना के शक में युवक ने की दोस्त की हत्या

शहर सत्ता/रायपुर। राजधानी रायपुर में जादू-टोना के शक में दोस्त की हत्या कर दी गई। आरोपी युवक ने चाकू गोदकर उसे मार डाला। आरोपी के सपने में उसका दोस्त आता था। ऐसे में अंधविश्वास के चलते उसने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है।

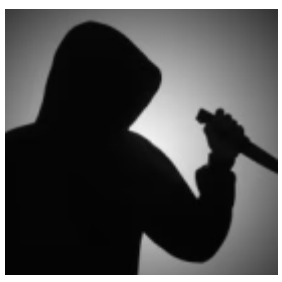

मामला मुजगहन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम श्याम ध्रुव है। जबकि आरोपी का नाम संजय नेताम है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। मुजगहन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, छछानपैरी निवासी श्याम ध्रुव पर आरोपी संजय नेताम ने चाकू से हमला किया था। यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 11:30 बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल श्याम ध्रुव को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान श्याम ध्रुव की मौत हो गई। पुलिस ने श्याम के परिजनों की रिपोर्ट पर आरोपी संजय नेताम के खिलाफ मामला दर्ज किया और देर शाम उसे गिरफ्तार कर लिया।

2 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे मोदी को सुनने

मोदी जादू बरक़रार; राज्योत्सव में इतनी भीड़ आई की संभालते नहीं बना

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर आयोजित राज्योत्सव के शुभारंभ पर मोदी मैजिक साफ नजर आया। इंटेलिजेंस का दावा है कि इस बार राज्योत्सव में डेढ़ लाख से अधिक लोग मैदान में मौजूद थे, जबकि करीब 30 हजार लोग सड़कों पर खड़े थे। वहीं प्रधानमंत्री के स्वागत में सड़कों के किनारे करीब 25 हजार लोग खड़े थे, जो बाद में कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए। जबकि इतनी भीड़ का अनुमान किसी ने नहीं लगाया था। प्रशासन ने 1 लाख लोगों को ध्यान में रखकर तैयारी की थी। यही कारण है कि मुख्य समारोह (सभा) स्थल पर लोगों के बैठने के लिए 18 हजार कुर्सियां लगाई गई थी।

यही कारण है कि राज्योत्सव मैदान में प्रवेश करने के लिए लोगों को खूब मशक्कत करनी पड़ी। भारी भीड़ के कारण पुलिस और प्रशासन एंट्री प्रबंधन ठीक से नहीं कर पाए। कई लोगों को मैदान में प्रवेश नहीं दिया गया और सड़कों पर ही रोक दिया गया। यहां तक मीडिया प्रतिनिधियों के आने-जाने में भी प्रशासनिक अव्यवस्था साफ नजर आई, जिससे मौके पर विवाद की स्थिति बन गई।

पीएम की गाड़ी की गई स्लो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ठीक 00 बजे एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से उनका काफिला 00 बजे सत्य साईं अस्पताल के लिए रवाना हुआ। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले को 10 मिनट के लिए धीमा कर दिया गया था। क्योंकि पीएम के स्वागत के लिए 12 मंच बनाया गया था, जहां लोक कलाकारों की प्रस्तुति थी। पीएम ने उन्हें देखने के लिए कार की रफ्तार धीमी कराई और सड़क किनारे खड़े लोगों का अभिवादन भी किया। इस दौरान पीएम की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पीएम ने नवा रायपुर की 52 किलोमीटर का सफर तय किया।

ट्रैफिक व्यवस्था बड़ी चुनौती बनी

नवा और पुराने रायपुर में ट्रैफिक व्यवस्था पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी। इसके लिए पांच दिनों तक प्लानिंग की गई। ताकि कहीं जाम न लगे। पीएम के पहुंचने के पहले नवीन विधानसभा से मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधियों को राज्योत्सव मैदान तक पहुंचना भी चुनौती थी।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

दिल दहलाने वाली बात

एक तरफ प्रधानमंत्री बीमार नौनिहालों से दिल की बात कर रहे थे। उनके दिल से निकली बात का मासूमो ने भी हांफते, कांपते और जो मौत को हराकर तंदरुस्त हुए बच्चे माकूल जवाब दे रहे थे। देश के प्रधानमंत्री का यूं बच्चों से चहक चहक कर बातें करना उन्हें दुलारने वाला दृश्य चाचा नेहरू की याद दिला दिया। लेकिन प्रदेश में खतरनाक पैरासिटामोल सप्लाई ने दिल दहलाने वाली बातें सामने ले आई हैं। नेहरू के वक्त में भी मासूमों की मौत होती थी, लेकिन मृत्यु की वजह नकली, अमानक और स्तरहीन दवाएं संभवतयः नहीं थीं। छत्तीसगढ़ में सीजीएमएससी फ़िलहाल बच्चों की दवा में लापरवाही के सवालों से घिरी दिख रही है।

प्रदेश में मासूमों के लिए सप्लाई की गई पैरासिटामोल की पूरी खेप अमानक पाया जाना गंभीर चूक और चेतावनी का संकेत है। सीजीएमएससी वितरित 41 हजार बोतलों वाली एल-24002 बैच 9 महीने पहले अस्पतालों में पहुंच गई थी। लेकिन अब गुणवत्ता जांच में कमी सामने आई है। क्यों या पता लगाने में इतना वक्त लगा? कुछ हो जाता तो..?आखिरकार इसका उपयोग तत्काल रोका गया और शुक्र है दवाएं वापस मंगाई जा रही हैं। यह घटना मासूमों के लिए जानलेवा साबित हो रहीं दवा आपूर्ति श्रृंखला की खामियों को उजागर करती हैं। अनहोनी हो जाती तो मासूमों से माता-पिता कैसे दिल की बात करते?

अमानक, स्तरहीन और गुणवत्ताविहीन पैरासिटामोल लीवर, किडनी उन मासूमों को ज्यादा क्षति पहुंचती जहां दवा की खुराक संवेदनशील है। इसके दीर्घकालीन उपयोग से भी जटिल और गंभीर परिणाम होते। गरीब परिवार के बच्चे ही इसका सबसे ज्यादा शिकार होते। क्योंकि पैरासिटामोल बुखार और दर्द की सामान्य दवा है, जो सरकारी और खैराती अस्पतालों में मुफ्त दी जाती है। लाजमी है कि महंगे इलाज और दवा खरीदना जिन गरीबों के लिए आसान नहीं वो अपने बच्चों के लिए इसे लेते और शिकार होते।

सुशासन के माहौल में सीजीएमएससी की त्वरित कार्रवाई तारीफ के काबिल है- उपयोग रोकना, नई खेप उपलब्ध करवाना और सबसे खास बात कंपनी पर जांच शुरू करना। परन्तु यक्ष प्रश्न यह 9 महीने तक इसकी अनदेखी कैसे हुई? क्या सप्लाय से पहले बैच टेस्टिंग नहीं हुई?बच्चों का जीवन दांव पर लगाकर लापरवाही बरतने वाले सभी जिम्मेदारों के साथ विभागीय मंत्री पर भी इसकी आंच पड़े उससे पहले सरकार और सीजीएमएससी को पारदर्शी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करना चाहिए।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

छत्तीसगढ़ जोहार जी भैरा.. आज नवा छत्तीसगढ़ ल बने पचीस बछर होगे.

-हव जी कोंदा.. नवा नक्शा सिरजे के जोहार हे.. फेर हमन जेन उद्देश्य ल लेके छत्तीसगढ़ राज्य आन्दोलन म सँघरे रेहेन तेन ह आज घलो छाहित नइ हो पाय हे.

-कइसे कहिथस संगी.. सरकार तो गजब विकास होय हे कहिके तुतरू बजावत रहिथे.. उँकर पँदोली देवइया रागी मन घलो भारी लाम-लाम गोठियाथें.

-हव जी विकास होय हे.. फेर कटाकट घपटे जंगल मनला उजार के बड़का-बड़का खदान कोड़े म होय हे.. उपजाऊ खेत मनला उजार के उहाँ क्रांकीट के जंगल के रूप म कालोनी मन के बसाय म होय हे.. डोंगरी-पहार मनला उजार के वोकर तरी म लुकाय खनिज संपदा मनला निकाले के बुता म विकास होय हे.. फेर इहाँ के भाखा, संस्कृति अउ अस्मिता तो आजो चार-धार के रोवत हे.

-हव जी ए बात सही आय.. आज तक भाखा ल संवैधानिक दर्जा नइ मिल पाय हे.. संस्कृति के अलग चिन्हारी नइ बन पाए हे.. अस्मिता के तो कहूँ मेर आरो तक मिले ले नइ धरय.. अउ जब तक ए सब पूरा नइ हो जाय तब तक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के अवधारणा अधूरा ही रइही.. काबर ते राज्य आन्दोलन के नेंव म इही मन प्राथमिकता रिहिसे.. इही सब आस के सेती हमन राज्य आन्दोलन म सँघरे रेहेन.

दवाइयां भी जहर से कम नहीं हैं

डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

ईसा पूर्व 5वीं सदी से 1,600 ईस्वी तक, दुनिया की लगभग सभी पद्धतियों में दवा के नाम पर जड़ी-बूटियां दी जाती थी। वे अधिकतर बेस्वाद, कड़वी और न खाने लायक होती थीं। इलाज की सुविधा सिर्फ उच्च वर्ग और अमीर लोगों के पास थी। ऐसे में कड़वी दवाई कैसे पिलाई जाए? तो जड़ी-बूटियों को चाशनी या शहद में मिलाकर देने की शुरुआत हुई।

यह दवा खिलाने का एक विलासितापूर्ण रूप था। बाद में इन्हें सिरप कहा जाने लगा, जो अरबी भाषा के शराब शब्द से आया है। शराब शब्द को वाइन या अल्कोहल से बने पेय से जोड़ने की शुरुआत तो 17वीं शताब्दी के आसपास यूरोप और एशिया के देशों से हुई।

खांसी- जो एक आम समस्या है- के लिए सिरप सदियों से मांग में रहे हैं। लेकिन भारत में कफ सिरप का अत्यधिक और अनुचित उपयोग होता है। डॉक्टर इन सिरप को नियमित रूप से लिखते हैं। अगर डॉक्टर न लिखें तो मरीज खुद ही मांग लेते हैं कि खांसी की दवाई भी लिख दीजिए। फिर सालों-साल तक परिवार के किसी भी सदस्य को खांसी होती है तो वही दवा पिला दी जाती है। लोग दवा की दुकानों पर जाकर उन्हें खरीद लाते हैं। हमारे देश में बच्चों में खांसी और नाक बहने के सबसे बड़े कारणों में धूल और प्रदूषण से एलर्जी हैं। सूखी खांसी अधिकतर वायरल इन्फेक्शन्स से होती है। खांसी आना एक सामान्य लक्षण है, जिसका उद्देश्य सांस की नाली से बलगम को हटाना है, ताकि वो फेफड़ों में जाकर नुकसान नहीं पहुंचाए। लेकिन कफ सिरप के नुकसान अधिक, फायदे न के बराबर होते हैं।

वैसे भी, अधिकतर मामलों में खांसी पांच से सात दिन में अपने आप ठीक हो जाती हैं। लेकिन जब बच्चों के स्वास्थ्य की बात आती है तो माता-पिता धीरज नहीं रख पाते। कफ सिरप मर्ज का इलाज नहीं करते। लेकिन इनसे तात्कालिक राहत मिलती है, इसलिए लोगों की नजर में इन दवाओं का परसीव्ड या कथित मूल्य अधिक है। इसी कारण, अनुमानों के अनुसार भारत में कफ सिरप का बाजार 21 हजार करोड़ रुपए सालाना है। सोचिए, जिस चीज का कोई फायदा नहीं उस पर हम कितना पैसा बर्बाद कर रहे हैं। जबकि यही काम गुनगुना पानी या शहद भी कर सकता है। भारत में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स- जिसके सदस्य करीब 40,000 बाल रोग विशेषज्ञ हैं- की संस्था है। इस अकादमी के श्वसन रोग समूह का मशविरा है कि दो साल से छोटे बच्चों को कफ सिरप नहीं दिए जाने चाहिए। इनका इस्तेमाल सिर्फ चार साल से बड़े बच्चों में हो और वो भी तब, जब खांसी से बहुत अधिक परेशानी हो या बच्चा सो नहीं पा रहा हो। उसमें भी सिर्फ एक कॉम्पोनेन्ट वाले कफ सिरप इस्तेमाल किए जाने चाहिए। इस समूह का मशविरा है कि एक से अधिक कॉम्पोनेन्ट वाले कफ सिरप बेतुके हैं और हानिकारक हो सकते हैं। देश में दवाओं की नियामक संस्था केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने भारत में बिक रहे अधिकतर कॉम्बिनेशन कफ सिरप को इर्रैशनल संयोजन का दर्जा दिया है। लेकिन ये फिर भी बनते हैं, डॉक्टरों द्वारा लिखे जाते हैं, और खूब बिकते हैं।

यह हमारे देश में अनावश्यक रूप से दवाइयां लिखे और इस्तेमाल किए जाने का प्रमाण है। एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल छोटी-मोटी दिक्कतों जैसे गले में खराश, मौसमी खांसी और वायरल फीवर के लिए किया जाता है। लोग दर्द की गोलियां भी लोग अकसर अपनी मर्जी से लेते रहते हैं। इससे दर्द की जड़ तो खत्म नहीं होती है, लेकिन किडनी और लिवर को नुकसान होता है। झोलाछाप डॉक्टर स्टेरॉयड से भरी दवाएं लिखते हैं। गैस और एसिडिटी की दवाइयां लोग सालों-साल लेते रहते हैं। मल्टीविटामिन आम प्रिस्क्रिप्शन का हिस्सा बन चुके हैं। इनसे दवा कंपनियों के अलावा किसी का फायदा नहीं होता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सुर्ख़ियों में एसआईआर-2 की घोषणा

नीरजा चौधरी

बिहार चुनाव की गहमागहमी के बीच प्रशांत किशोर के पश्चिम बंगाल और बिहार, दोनों राज्यों में मतदाता के तौर पर पंजीकृत होने की खबर आई। इससे न केवल प्रशांत किशोर को झटका लगा, बल्कि इसने फिर से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-2 (एसआईआर-2) की ओर भी ध्यान खींचा है। निर्वाचन आयोग द्वारा यह प्रक्रिया अब और राज्यों में कराई जा रही है। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत जिन 68 लाख वोटरों के नाम हटाए गए, उनमें से 7 लाख ऐसे थे, जिनके नाम एक से अधिक वोटर सूची में दर्ज थे। अब चुनाव आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नवम्बर 2025 से फरवरी 2026 के बीच फिर से एसआईआर-2 की घोषणा ने इस कवायद को फिर से सुर्खियों में ला दिया है। केरल विधानसभा में इस प्रक्रिया के खिलाफ सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने राज्य में विधानसभा और नगरीय निकाय के चुनावों से ठीक पहले यह प्रक्रिया कराने के समय को लेकर सवाल उठाए। तमिलनाडु में डीएमके ने पार्टी के वोटरों को मताधिकार से वंचित करने आशंका जताई। इन तीनों ही राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार हैं और वहां 2026 में चुनाव प्रस्तावित हैं। उनका यही सवाल है कि चुनाव से ठीक पहले यह प्रक्रिया क्यों की जानी चाहिए? बिहार में भी यही किया गया था। असम में भी 2026 में चुनाव हैं, लेकिन आयोग ने क्या उसे केवल इसलिए छोड़ दिया है, क्योंकि वहां भाजपा की सरकार है? बिहार में एसआईआर प्रक्रिया विवादित रही थी। सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा था और वह अभी भी इसकी संवैधानिक वैधता की जांच कर रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में देखें तो एसआईआर-2 में आयोग ने कुछ अच्छे बदलाव किए हैं।

मसलन, अब फॉर्म भरने के शुरुआती चरण में कोई दस्तावेज नहीं चाहिए। आधार कार्ड सत्यापन दस्तावेज के रूप में मान्य होगा। नाम हटाने के बजाय नए वोटरों को शामिल करने पर जोर है। और सबसे अहम, दलों से 'संवाद' किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया के पटरी से उतरने के पीछे कारण तकनीकी या विवरण संबंधी जटिलताएं नहीं, बल्कि आयोग और विपक्षी दलों के बीच भरोसे की कमी है। और निर्वाचन आयोग भी शायद इस स्थिति से खुश नहीं होगा। चाहे इसे सही मानें या गलत, लेकिन विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल की मदद कर रहा है। जिस तरीके से यह प्रक्रिया पूरी की गई, उसने कई लोगों के दिमाग में संशय पैदा किया है। और कई बार सच्चाई से ज्यादा धारणा मायने रखती है। इसीलिए यह जरूरी है कि आयोग नए सिरे से पहल कर विपक्ष की सारी शंकाओं को दूर करे, भले वे कोरी कल्पनाएं हों या सत्ता हासिल करने की मंशा से ही क्यों ना व्यक्त की जा रही हों। इससे आयोग पर जनता का भरोसा कायम रह सकेगा। जरूरत पड़े तो आयोग को बार-बार विपक्ष से संवाद करने से भी नहीं हिचकना चाहिए, ताकि उसका कामकाज ना सिर्फ साफ-सुथरा हो, बल्कि वैसा दिखे भी। आखिर ऐसा क्या है, जो आयोग को विपक्ष के हर संशय की जांच करने और अपना जवाब देने से रोक रहा है? ऐसा करके आयोग को भले थोड़ा नुकसान हो, लेकिन अपनी विश्वसनीयता बहाल करके उसे बहुत फायदा होगा। फिर भी यदि विपक्ष जिद पर अड़ा रहे तो वह खुद बेनकाब हो जाएगा। यह चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह भारतीय नागरिकों की एक प्रामाणिक सूची बनाए। लेकिन अभी तक वह बिहार की मतदाता सूचियों में से गैर-भारतीयों की संख्या नहीं निकाल पाया है। जबकि एसआईआर का एक प्रमुख कारण यही था। विपक्षी दलों को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का नजरिया सामने आने तक एसआईआर के अगले चरण को रोक देना चाहिए। यह तर्कसंगत भी लगता है।

दूसरा सुझाव यह है कि एसआईआर को टुकड़ों-टुकड़ों में कराने के बजाय क्या एक ही चरण में पूरे देश में नहीं करा लेना चाहिए? कुछेक राज्यों में यह प्रक्रिया कराने से सिर्फ संशय ही पैदा होता है। नए सिरे से सभी दलों से चर्चा इसमें मददगार हो सकती है। आखिरकार, लोकतांत्रिक शिष्टाचार ही परस्पर संवाद को कायम रख सकता है। और हमारे लोकतंत्र की चुनौतियों का हल निकालने के लिए अपेक्षित भी है। आयोग का दायित्व है कि वह भारतीय नागरिकों की प्रामाणिक सूची बनाए। लेकिन अभी तक वह बिहार की मतदाता सूचियों में से गैर-भारतीयों की संख्या ही नहीं निकाल पाया है। जबकि एसआईआर कराने का एक प्रमुख कारण यही था। **(ये लेखिका के अपने विचार हैं।)**

साप्ताहिक शहर सत्ता

भाजपा के पक्ष में है चुनावी हवा का रूख : PM मोदी

ईमानदार घोषणापत्र के साथ फिर से एनडीए सरकार बनेगी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरा में हुई जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के चुनावी घोषणापत्र और बिहार के विकास को लेकर बड़ा संदेश दिया. उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठे लोग हवा का रुख नहीं समझ पा रहे हैं, बिहार की जनता एनडीए के साथ है. पीएम मोदी ने कहा कि अगले साल तक 1 करोड़ नए रोजगार दिए जाएंगे और इसके लिए पूरा खाका तैयार किया जा चुका है.पीएम मोदी ने कहा कि 1.30 करोड़ महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये भेजे जा चुके हैं और एनडीए की सरकार बनते ही यह मदद और बढ़ाई जाएगी. उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, “एक तरफ एनडीए का ईमानदार घोषणापत्र है तो दूसरी तरफ महागठबंधन का झूठ का पुलिंदा.”

पीएम मोदी ने जनता से की ये अपील

उन्होंने जनता से अपील की कि बिहार को जंगल राज से बचाना है और एक बार फिर एनडीए की सरकार बनानी है. उन्होंने आगे कहा, “विकसित बिहार ही विकसित भारत का आधार है और इसके लिए मैं आपका साथ मांगने आया हूं.”पीएम मोदी ने आगे कहा, "बिहार देश की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्यों में से एक है, इसलिए NDA बिहार में शिक्षा और कौशल पर बहुत जोर दे रहा है. हमारा संकल्प है कि बिहार का युवा बिहार में ही काम करेगा, बिहार का नाम करेगा. इसके लिए हमने आने वाले वर्षों में एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा की है और यह सिर्फ घोषणा नहीं है, यह कैसे होगा, इसकी योजना भी जनता के सामने रखी गई है."

'हमारा लक्ष्य बिहार को मेड इन इंडिया का केंद्र बनाना है'

उन्होंने आगे कहा, "आज दुनिया में मेक इन इंडिया को लेकर काफी उत्साह है. हमारा लक्ष्य बिहार को मेड इन इंडिया का केंद्र बनाना है. इसके लिए हम हजारों लघु और कुटीर उद्योगों के नेटवर्क को मजबूत करेंगे."

आरजेडी पर कसा तंज

पीएम मोदी ने आरजेडी पर तंज कसते हुए कहा, "RJD के जंगलराज की पहचान जिन चीजों से होती है वह है- कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार, कुशासन और करप्शन." उन्होंने आगे कहा, "आरजेडी और कांग्रेस में झगडा हो रहा है. चुनाव के बाद ये एक दूसरे के साथ सिर फुटवौल करेंगे. कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी सीएम के पद पर आरजेडी का नेता हो.

पीएम मोदी ने किया बड़ा दावा

प्रधानमंत्री ने कहा, “मोदी ने धारा 370 हटाने की गारंटी दी थी और वो पूरी की. आज जम्मू-कश्मीर में भारत का संविधान लागू है.” उन्होंने वन रैंक वन पेंशन का वादा पूरा करने की बात भी दोहराई.आर्थिक मोर्चे पर मोदी ने कहा, “बिहार में अब तक 60 लाख गरीब परिवारों को पक्का घर दिया गया है. पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को अब सालाना 9,000 रुपये मिलेंगे.” उन्होंने दावा किया, “आने वाले वर्ष में एक करोड़ रोजगार दिए जाएंगे, जिसका प्लान जनता के सामने रखा गया है.”

यूक्रेन ने रूस के तुआप्से पोर्ट पर मचाई तबाही

कीव। यूक्रेन ने रविवार (2 नवंबर 2025) की रात रूस के ब्लैक सी इलाके में स्थित तुआप्से पोर्ट पर अचानक ड्रोन हमला किया. तेज धमाके के बाद पूरे बंदरगाह क्षेत्र में आग फैल गई. इस हमले ने तेल रिफाइनरी और टर्मिनल को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया. वहां के अधिकारियों के अनुसार, यह हमला रूस की सैन्य आपूर्ति प्रणाली को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था. रूसी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, देश की वायु रक्षा इकाइयों ने यूक्रेन के 164 ड्रोन को उड़ान के दौरान ही नष्ट कर दिया. हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है. फिर भी रूस का कहना है कि उसके सैनिकों ने हमले की दिशा से आ रहे अधिकतर ड्रोन को सफलतापूर्वक रोक लिया.तुआप्से पोर्ट पर ड्रोन के मलबे के गिरने से वहां स्थित रोसनेफ्ट तेल रिफाइनरी में आग लग गई. यह वही स्थान है जिसे पहले भी यूक्रेनी ड्रोन ने निशाना बनाया था. स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग को बुझाने के प्रयास जारी हैं और राहत दल लगातार मौके पर काम कर रहे हैं. प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, किसी के मारे जाने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन आर्थिक नुकसान बहुत बड़ा है. विश्लेषकों का मानना है कि यूक्रेन अब सिर्फ अपनी रक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहता. वह रूस के भीतर मौजूद सामरिक और ऊर्जा ढांचों को निशाना बनाकर उसकी युद्ध क्षमता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है. रूस की पाइपलाइनों, ईंधन डिपो और बिजली ग्रिड पर हाल के महीनों में कई हमले हो चुके हैं, जिससे उसकी रसद प्रणाली पर गहरा असर पड़ा है।

रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात प्रतिबंध की कीमत चुकाएगा चीनः अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि दुर्लभ खनिजों पर चीन की ओर से लगाए गए निर्यात प्रतिबंध उसके लिए 'गलती' साबित हुए हैं. इन कदमों ने दुनिया को यह एहसास करा दिया कि बीजिंग कैसे इन अहम संसाधनों का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए कर सकता है. चीन ने अक्टूबर में दुर्लभ धातुओं से जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए नियम लागू किए थे. यह चीज रक्षा, ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और कई उद्योगों के लिए बेहद अहम मानी जाती हैं. इन प्रतिबंधों के कारण अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ताओं में तनाव बढ़ गया था. हालांकि, इस हफ्ते दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप की बैठक के बाद चीन ने घोषणा की कि वह कुछ निर्यात प्रतिबंधों को एक साल के लिए स्थगित करेगा.

फाइनेंशियल टाइम्स से बातचीत में बेसेंट ने कहा, 'चीन ने सभी को खतरे के प्रति सचेत कर दिया है. उन्होंने वाकई में गलती की है.' उनके मुताबिक, 'हथियार दिखाना एक बात है, लेकिन हवा में गोलियां चलाना दूसरी बात.'दुर्लभ धातुओं पर नियंत्रण से दुनिया भर के बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई थी और सप्लाई चेन प्रभावित हो गई थी. ये क्षेत्र चीन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बनाने का एक बड़ा साधन माना जाता है. बेसेंट का कहना है कि अब चीन के लिए दोबारा इसी तरह का कदम उठाना आसान नहीं होगा, क्योंकि अमेरिका सहित कई देशों ने इसके खिलाफ 'विकल्प तैयार कर लिए हैं।'

एअर इंडिया के 2 पायलट ने लाइसेंस न होने के बाद भी उड़ाया विमान, मचा बवाल

नई दिल्ली। एअर इंडिया में शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग में खामियां अब भी जारी हैं, जबकि रेगुलेटर ने इसी मुद्दे पर 5 महीने पहले फटकार लगाई थी. ताजा मामले में एक सह-पायलट और एक वरिष्ठ कैप्टन को फ्लाइंग ड्यूटी से हटा दिया गया है, क्योंकि एयलाइन को पता चला है कि पिछले महीने उन्होंने एक-एक उड़ान का संचालन किया. एक मामले में इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी (ईएलपी) लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था, जबकि दूसरे मामले में एक सह-पायलट ने बाय-एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक (पीपीसी) इंस्ट्रूमेंट रेटिंग (आईआर) टेस्ट क्लियर नहीं किया था. बता दें कि अब DGCA इन खामियों की जांच कर रहा है और एयरलाइन से रिपोर्ट मांगी गई है. रिपोर्ट के मुताबिक को-पायलट अपना लेटेस्ट IR-PPC चेक क्लियर नहीं कर पाया था हालांकि ये कोई बड़ी अनोखी बात नहीं है, लेकिन पायलट को फिर से उड़ान से पहले मैंडेटरी करेक्टिव ट्रेनिंग लेनी पड़ती है. इस केस में को-पायलट ने बिना ट्रेनिंग के फ्लाइट ऑपरेट कर दी और इस गलती को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है.

एअर इंडिया ने क्या कहा?

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 'फर्स्ट ऑफिसर का ट्रेनिंग चेक में अनसैटिस्फैक्टरी परफॉर्मेंस के बाद फ्लाइट ऑपरेट करने का केस पकड़ा गया, जैसे ही यह गलती नोटिस हुई. क्रू शेड्यूलर और पायलट को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया है. आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और DGCA को रिपोर्ट कर दिया गया है.' दूसरे केस में वरिष्ठ कैप्टन ने ELP लाइसेंस एक्सपायर होने के बावजूद A-320 फ्लाइट का पायलट-इन-कमांड रहते हुए ऑपरेट किया. बता दें कि ELP लाइसेंस पायलट के लिए उड़ान भरने की बेसिक रिक्वायरमेंट है।

मेक्सिको के सुपरमार्केट में विस्फोट! 23 लोगों की मौत

नई दिल्ली। मेक्सिको के हर्मोसिलो शहर में शनिवार (1 नवंबर 2025) को वाल्डो सुपरमार्केट में अचानक हुए भीषण विस्फोट से शहर दहल उठा. अधिकारियों के मुताबिक इस हादसे में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें कई बच्चे भी शामिल हैं. करीब 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. चश्मदीदों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि आसपास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं और पूरा इलाका धुएं से भर गया. सोनोरा राज्य के गवर्नर अल्फोंसो दुराज़ो ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि यह हादसा पूरे राज्य के लिए एक गहरी त्रासदी है. उन्होंने कहा कि पीड़ितों में कई बच्चे शामिल हैं. हम इस दर्दनाक घटना की पूरी जांच करेंगे और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा. गवर्नर ने यह भी कहा कि प्रशासन ने एक उच्च स्तरीय जांच टीम गठित की है, जो विस्फोट के कारणों की गहराई से पड़ताल करेगी. उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी.

चंद्रमा करीब 7% बड़ा और 16% ज्यादा चमकीला नजर आएगा।

चार नवंबर की रात दिखेगा सबसे बड़ा सुपरमून

नई दिल्ली। आने वाले चार नवंबर को आसमान में दिखेगा साल का सबसे बड़ा और चमकीला सुपरमून, जिसे बीवर मून भी कहा जाता है। यह चंद्रमा पृथ्वी के सामान्य दूरी से करीब 17,000 मील नजदीक होगा, जिससे यह करीब 7% बड़ा और 16% ज्यादा चमकीला नजर आएगा। इसकी तेज रोशनी में धरती पर हल्की परछाइयां तक दिखेंगी, जो पतझड़ की रात को और उजला बना देंगी। चार नवंबर को चंद्रमा अपनी सबसे चमकीली और बड़ी झलक दिखाने वाला है। इसकी रोशनी इतनी तेज होगी कि जमीन पर हल्के साये तक दिखेंगे। ऐसा नजारा बहुत शक्तिशाली सुपरमून के वक्त ही देखने को मिलता है। इससे पहले ऐसा नजारा अगस्त 2024 में चीन के चेंगदू के लोंगक्वान पर्वत पर देखा गया था, लेकिन इस बार चांद पृथ्वी के और भी करीब होगा और ठंडी पतझड़ की रात को और ज्यादा दमकेगा। चार नवंबर की रात को साल की सबसे उजली रात बनाने वाला यह सुपरमून साल 2025 के आखिरी महीनों में आने वाले तीन लगातार सुपरमून में से दूसरा होगा। कभी-कभी इसे बीवर मून भी कहा जाता है। इस पूर्णिमा का यह नाम उत्तरी अमेरिका की स्थानीय जनजातियों से आया है।

यह ऐसे मौसम का संकेत है, जब बीवर (जलचूहे) अपनी सर्दियों की मांद बनाते हैं और शिकारी नदी जमने से पहले जाल लगाते थे। इस दिन के चंद्रमा का आकार नग्न आंखों से देखने पर सूक्ष्म लग सकता है, लेकिन इसकी रोशनी बेहद तेज होगी। इतनी चमकदार कि धुंधली परछाईं बनेगी और ये पूरी रात को जगमगा देगी।

यह सुपरमून है बेहद खास

इस हफ्ते के पूर्णिमा का चंद्रमा न सिर्फ नजदीक होगा बल्कि यह औसत दूरी से लगभग 17,000 मील अधिक नजदीक से पृथ्वी की परिक्रमा करेगा। इस वजह से यह सामान्य पूर्णिमा के मुकाबले लगभग सात फीसदी बड़ा और 16 फीसदी तक अधिक चमकीला दिखाई देगा। सुपरमून तब होता है जब चंद्रमा अपनी पूर्ण कला (पूर्णिमा) पर पहुंचता है और पृथ्वी के चारों ओर अपनी अण्डाकार कक्षा के सबसे निकटतम बिंदु पेरिजी के पास होता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे पेरिजी फुल मून कहा जाता है, लेकिन हर सुपरमून एक जैसा नहीं होता।

टीम इंडिया की 'सुंदर' जीत

वाशिंगटन सुंदर और अर्शदीप बने हीरो

होबार्ट। भारत ने तीसरे टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हरा दिया है. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन बनाए थे, जवाब में टीम इंडिया ने 9 गेंद शेष रहते जीत दर्ज कर ली. भारत ऐसा पहला देश बन गया है, जिसने होबार्ट के बेलेरिव मैदान में किसी टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया है. वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 49 रनों की की मैच विनिंग पारी खेली. टिम डेविस और मार्कस स्टोइनिस की अर्धशतक पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 186 रनों का स्कोर खड़ा किया था. डेविड ने 74 और स्टोइनिस ने 64 रनों का योगदान दिया था. वहीं गेंदबाजी में भारत के लिए सबसे सफल गेंदबाज अर्शदीप सिंह रहे, जिन्होंने 3 विकेट लिए.

अभिषेक शर्मा ने फिर से तूफानी अंदाज में बैटिंग की, लेकिन 25 रन बनाकर आउट हो गए. दूसरी ओर शुभमन गिल की खराब फॉर्म जारी है, वो सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गए. कप्तान सूर्यकुमार यादव सेट हो चुके थे, उन्होंने 11 गेंद में 24 रन बनाए लेकिन उसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर पाए. तिलक वर्मा को फिर से नंबर-4 की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिन्होंने 29 रन बनाए. अक्षर पटेल को भी शुरुआत मिली, लेकिन 17 रन बनाकर चलते बने.भारत ने 111 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे, तब वाशिंगटन सुंदर बैटिंग करने आए. उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बैटिंग करते हुए 23 गेंदों में 49 रन बनाए. दूसरे छोर पर जीतेश शर्मा ने नाबाद 22 रन बनाए. दोनों ने 43 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की. अब पांच मैचों की सीरीज में 3 मैच पूरे हो चुके हैं, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया एक-एक से बराबरी पर हैं.ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले होबार्ट के बेलेरिव स्टेडियम में 5 टी20 मैच खेले थे और उसे सभी मैचों में जीत मिली थी. उसने यहां दो बार वेस्टइंडीज, 2 बार इंग्लैंड और एक बार पाकिस्तान को हराया हुआ है।

टिम डेविड दूसरे सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज

टिम डेविड ने भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में विस्फोटक पारी खेलते हुए 38 गेंदों में 74 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 5 छक्के और 8 चौके जड़े. उन्होंने सिर्फ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था, इसी के साथ वह ट्रेविस हेड को पछाड़ते हुए भारत के खिलाफ दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं. जब टिम डेविड बल्लेबाजी करने आए थे तब ऑस्ट्रेलिया दबाव में था, टीम 14 के स्कोर पर अपने 2 बड़े विकेट गंवा चुकी थी. ट्रेविस हेड (6) और जोश इंग्लिस (1) को पॉवरप्ले में अर्शदीप सिंह ने पवेलियन भेज दिया था. हालांकि इसका डेविड की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा, उन्होंने अपनी पहली गेंद पर चौका मारकर बता दिया था कि वह रुकने वाले नहीं हैं.टिम डेविड ने भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. वह भारत के खिलाफ टी20 में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं. इस लिस्ट में पहले नंबर पर कैमरून ग्रीन हैं, जिन्होंने हैदराबाद (2022) में भारत के खिलाफ 19 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. ट्रेविस हेड लिस्ट में तीसरे नंबर पर लुढ़क गए, जिन्होंने 2024 में भारत के खिलाफ 24 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. चौथे नंबर पर आए टिम डेविड को 13वें ओवर में शिवम दुबे ने कैच आउट कराया, उनका कैच तिलक वर्मा ने बॉउंड्री पर पकड़ा. उनके आलावा मार्कस स्टोइनिस ने भी अर्धशतक लगाया.

सरकार ने सोना पर घटा दिया बेस इम्पोर्ट प्राइस

नई दिल्ली। सरकार ने सोने-चांदी के बेस इम्पोर्ट प्राइस में कटौती की है. सोने के लिए 42 डॉलर प्रति 10 ग्राम और चांदी के लिए 107 डॉलर प्रति किलोग्राम बेस इम्पोर्ट प्राइस घटाया है. ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी की कीमत में जारी उतार-चढ़ाव के बीच देश में इसके कारोबार को बढ़ावा देने और कीमतों को काबू में रखने के लिए यह कदम उठाया गया है. बेस प्राइस का इस्तेमाल आयात पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी के कैलकुलेशन के लिए किया जाता है. बेस इम्पोर्ट प्राइस हर 15 दिन में अपडेट किया जाता है. बेस प्राइस कम कर सरकार आयातकों पर टैक्स का बोझ कम करती है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतों को स्थिर करने में भी मदद मिल सकती है. बेस प्राइस कम होने से सोने का आयात सस्ता होगा, जिसका फायदा कहीं न कहीं ग्राहकों को भी मिल सकता है. भारत चीन के बाद सोने का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा इम्पोर्टर है. वहीं, चांदी के सबसे बड़े इम्पोर्टर की लिस्ट में भारत का नाम पहले नंबर पर है।

निष्क्रिय अकाउंट में पड़ा है पैसा ऐसे कर सकेंगे क्लेम?

नई दिल्ली। कई बार आपके या आपके किसी परिचय के लोगों का पुराना बैंक अकाउंट समय के साथ निष्क्रिय हो जाते हैं. लोग इसपर ध्यान नहीं देते हैं और लोगों का पैसा अकाउंट में पड़ रहता है. अगर आपका या आपके किसी परिचित का पैसा बैंक में अनक्लेम्ड है, तो इस रकम की निकासी के लिए अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) इस स्थिति में आपकी पूरी सहायता करता हैं. आप या आपका कानूनी वारिश कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करके अनक्लेम्ड पैसा वापस पा सकते है.

अनक्लेम्ड खातों और क्लेम की जानकारी

अगर आप यह जानना चाहते हैं कि, आपका या आपके परिवार का पैसा बैंक में अनक्लेम्ड पड़ा है या नहीं, तो इसके लिए आपको आरबीआई की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होता है. वेबसाइट पर अपना या अपने परिवार के सदस्य का नाम सर्च करें. इसके बाद आपको पूरी जानकारी मिल जाएगी. इसके अलावा, अक्टूबर से दिसंबर महीने तक देश के अलग- अलग जिलों में अनक्लेम्ड एसेट्स पर स्पेशल कैंप का आयोजन किया जा रहा है. जहां से आप सीधे ही जानकारी ले सकते हैं. आप अपने अनक्लेम्ड पैसे के लिए किसी भी बैंक शाखा में जा सकते हैं, वहां क्लेम फॉर्म भरें और KYC डॉक्यूमेंट जैसे आधार, वोटर आईडी या पासपोर्ट जमा करें. साथ ही अगर आप वारिस के तौर पर क्लेम कर रहे हैं तो, डेथ सर्टिफिकेट जैसे लीगल पेपर जमा करें. वेरिफिकेशन के बाद बैंक RBI के DEA फंड से आपको पैसा मिल जाएगा. इसके लिए अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता है.

5 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैप वाली कंपनी एनवीडिया

वाशिंगटन। अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी एनवीडिया (Nvidia) 5 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैपिटल वाली पहली कंपनी बन गई है. Nvidia के बाद माइक्रोसॉफ्ट और ऐप्पल दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी हैं. इसके शेयर की कीमत लगभग 3 परसेंट चढ़कर 207.16 डॉलर तक पहुंच गया, जिससे इसका मार्केट कैप 5.03 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 453 लाख करोड़ तक पहुंच गया. हैरान करने वाली बात यह है कि यह भारत की GDP से करीब 90 लाख करोड़ रुपये ज्यादा है. IMF के मुताबिक, भारत की GDP अभी 4.13 ट्रिलियन डॉलर यानी 364 लाख करोड़ रुपये हैं. जून से लेकर अब तक कंपनी के 1 अरब डॉलर से ज्यादा शेयर बिके हैं. ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून के आखिर में जब सीईओ जेनसन हुआंग ने कंपनी का शेयर बेचना शुरू किया, तब स्टॉक की कीमत लगभग 865 मिलियन डॉलर थी. अब तक स्टॉक 40 परसेंट से भी ज्यादा चढ़ चुका है. इसके पीछे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की बढ़ती डिमांड है. यही वजह है कि 2022 से अब तक कंपनी का शेयर 12 गुना बढ़त हासिल की है.

आधार अपडेट हुआ आसान

नई दिल्ली। नवंबर महीनें की शुरुआत होते ही देश में आम नागिरकों से संबंधित कई नियमों में बदलाव भी लागू हो गए है. सरकार के द्वारा लाए गए नए नियमों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ने वाला है. मुख्य रुप से बैंकिंग और आधार से संबंधित नियमों में यह बदलाव किए गए है. UIDAI (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) की ओर से 1 नवंबर से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं. इन बदलावों के तहत अब आधार कार्ड होल्डर अपना नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि और पता कभी भी बदल सकते हैं. इनमें बदलाव करने के लिए अब आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं होगी. नए नियमों के तहत आप कहीं से भी ऑनलाइन माध्यम से ये बदलाव कर सकते हैं. मुख्य रुप से यूआईडीएआई ने आधार से संबंधित तीन बदलाव किए है. जिसका उद्देश्य आधार से जुड़ी हुई सेवाओं में तेजी और आसान पहुंच बनाना हैं. यूआईडीएआई की ओर से जानकारी दी गई है कि, आधार सेवाओं के फीस में बदलाव किया गया है।

शादी के सीजन में फिर आ सकती है तेजी

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.9 अरब डॉलर की गिरावट

नई दिल्ली। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 6.925 अरब डॉलर घटकर 695.355 अरब डॉलर रह गया है। हालांकि यह सितंबर 2024 के रिकॉर्ड स्तर 704.89 अरब डॉलर के करीब बना हुआ है। विदेशी मुद्रा संपत्तियों और सोने के भंडार में कमी से यह गिरावट आई है। आरबीआई का कहना है कि भंडार इतना पर्याप्त है कि यह 11 महीनों के आयात को कवर कर सकता है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार यानी फॉरेक्स रिजर्व में पिछले सप्ताह 6.925 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा 'वीकली स्टैटिस्टिकल सप्लीमेंट' रिपोर्ट के अनुसार, 24 अक्तूबर 2025 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल भंडार घटकर 695.355 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि, यह आंकड़ा अब भी सितंबर 2024 के सर्वाधिक रिकॉर्ड स्तर 704.89 अरब डॉलर के करीब बना हुआ है। आरबीआई के अनुसार, वो विदेशी मुद्रा संपत्तियां, जो भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, घटकर 566.548 अरब डॉलर रह गईं। इसमें 3.862 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, सोने के भंडार में भी 3.010 अरब डॉलर की कमी आई और यह 105.536 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और निवेशकों द्वारा सोने की मांग में बढ़ोतरी के चलते आई है। ले ही भंडार में गिरावट आई है, लेकिन यह अब भी स्थिर और मजबूत स्थिति में है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा था कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीनों से अधिक के माल आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करते हुए रुपए के मूल्य को स्थिर बनाए रखने के लिए डॉलर खरीदने या बेचने जैसी रणनीतियों का उपयोग करता है।

पिछले वर्षों की में कितना बढ़ा?

साल 2023 में भारततुलना ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 अरब डॉलर की वृद्धि की थी, जबकि 2022 में इसमें 71 अरब डॉलर की कमी आई थी। 2024 में भंडार में 20 अरब डॉलर से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। मौजूदा वर्ष 2025 में अब तक कुल 46 अरब डॉलर की वृद्धि देखी गई है, जो यह दर्शाती है कि भारत की विदेशी मुद्रा स्थिति लंबे समय से मजबूत बनी हुई है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

कांग्रेस का दावा : विधानसभा, ट्राईबल म्यूजियम हमने बनाया

कांग्रेस सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री के योगदान का उल्लेख न करना भाजपा की बदनीयती

शहर सत्ता/रायपुर। नये रायपुर में छत्तीसगढ़ के जिस विधानसभा भवन और ट्राईवल म्यूजियम का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकार्पण किया उसे कांग्रेस की भूपेश सरकार ने बनाया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में जब कांग्रेस की सरकार थी तब तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के नये विधानसभा भवन बनाने की परिकल्पना किया और उसका भूमि पूजन किया तथा निर्माण के लिए वित्तीय स्वीकृति और टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर द्रुतगति से निर्माण कार्य शुरू करवाया तथा कांग्रेस सरकार ने यह भी लक्ष्य निर्धारित किया था कि दो वर्ष में राज्य की विधानसभा नये भवन में स्थानांतरित हो जायेगी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नये विधानसभा भवन को बनाने का एकतरफा श्रेय लेने वाले भाजपा और रमन सिंह की राज्य में 2003 से 2018 तक 15 वर्ष तक सरकार थी। 15 सालों में भाजपा ने कभी नये विधानसभा भवन बनाने की जरूरत नहीं समझी। कांग्रेस की पहली सरकार ने जिस जल संसाधन भवन में 2000 में विधानसभा का संचालित करवाया उसी में आज तक विधानसभा चली। कांग्रेस की दूरदर्शिता का परिणाम नया विधानसभा भवन है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नया विधानसभा भवन के साथ नया रायपुर में मुख्यमंत्री और मंत्रियों का निवास, राजभवन भी कांग्रेस सरकार ने बनाया तथा उसको पूरा भी किया। भाजपाई मुख्यमंत्री और मंत्री तो केवल वहां पर पूजा पाठ कर रहना शुरू किये। आज भी आधे मंत्री नया रायपुर में बंगला आवंटित होने के बाद शिफ्ट नहीं हुए। कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नया रायपुर में बसाहट को बढ़ाने के उद्देश्य से विधानसभा भवन, मुख्यमंत्री निवास, मंत्री निवास नवा रायपुर में बनाना शुरू करवाये थे।

विधानसभा की नाम पट्टिका से नेता प्रतिपक्ष का नाम गायब !

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के लोकार्पण को लेकर राजनीति गरमा गई है। नाम पट्टिका में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत का नाम न होने पर कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि "भाजपा कुंठित मानसिकता से ग्रसित है और दुर्भावना की राजनीति करती है, यह उनके संस्कार में शामिल है।" उन्होंने बताया कि जब भूपेश बघेल सरकार में विधानसभा भवन की नींव रखी गई थी और भूमिपूजन हुआ था, उस वक्त तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक का नाम शिलापट्ट में दर्ज किया गया था। लेकिन अब जब नए विधानसभा का उद्घाटन हुआ, तो वर्तमान नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत का नाम पट्टिका में नहीं जोड़ा गया।

नए विधानसभा भवन का निमंत्रण पत्र जलाया छोटे जोगी हॉउस अरेस्ट

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के दिन जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रमुख अमित जोगी ने पुलिस पर उन्हें हाउस अरेस्ट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें अपने ही घर में नजरबंद कर दिया गया है, क्योंकि वे नए विधानसभा भवन से 'मिनी माता' का नाम हटाए जाने के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने जा रहे थे। अमित जोगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को टैग करते हुए पोस्ट में लिखा है कि, "छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर काले कपड़े पहनना अब अपराध बन गया है। क्या लोकतंत्र इतना कमजोर है कि काले कपड़ों से डर जाए? यही है आपका अमृत काल?"

- **'मिनी माता' का नाम हटाए जाने पर राज्योत्सव कार्यक्रम का किया विरोध**

छोटे जोगी की चेतावनी की ये मांग

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मांग की थी कि नया निमंत्रण पत्र "मिनी माता विधानसभा भवन, नया रायपुर" नाम से जारी किया जाए। जोगी ने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ, तो वे प्रदेश के विधायकों और पूर्व विधायकों से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बहिष्कार की अपील करेंगे। उनका कहना है कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने पुराने विधानसभा भवन का नाम मिनी माता के नाम पर रखा था, ताकि नारी सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की भावना बनी रहे।

अमित बघेल के खिलाफ मुंबई में भी शिकायत

इंदौर सांसद बोले- अपमान सहन नहीं करेंगे

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बाद अब मुंबई में सिंधी समाज ने पुलिस से अमित बघेल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल के खिलाफ मुंबई में शिकायत दर्ज हुई है। दरअसल, अमित बघेल पर भगवान झूलेलाल, महाराजा अग्रसेन और पं. दीनदयाल उपाध्याय पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अमित बघेल के बयान का सिंधी समाज और अग्रवाल समाज ने विरोध किया है। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भी उनके खिलाफ FIR हुई है। अब महाराष्ट्र के उल्हासनगर के रहने वाले कैलाश महेश सुखरामानी ने अमित बघेल के खिलाफ उल्हासनगर थाने (मुंबई) में लिखित शिकायत की है। उनका कहना है भगवान झूलेलाल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी से उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और पूरे समाज को कष्ट पहुंचा है। उन्होंने अमित बघेल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने अमित बघेल के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म के प्रति अपमान सहन नहीं करेंगे। सरकार से मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच की जाए। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के धमतरी में अमित बघेल के खिलाफ आक्रोश रैली निकाली गई। वहीं, जगदलपुर में 3 नवंबर को प्रदर्शन किया जाएगा।

अमित बघेल बोले- माफी नहीं मांगूगा

FIR दर्ज होने के बाद अमित बघेल ने कहा है कि वे अपने बयानों के लिए माफी नहीं मांगेगे। उन्होंने कहा कि जैसा करोगे वैसा वापस पाओगे। माफी मांगने के सवाल पर बघेल ने कहा कि FIR से पहले चर्चा क्यों नहीं की? 2 चिन्हारी नहीं चलेगी, छत्तीसगढ़िया रंग में रंगना होगा।

रायपुर से सुबोध-प्रवीण, दुर्ग से राकेश, अंबिकापुर से बालकृष्ण शामिल

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की लिस्ट में 36 नए चेहरों पर कयास

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस जल्द ही जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर सकती है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी में है। 41 जिलाध्यक्षों में से 36 नए चेहरों को मौका मिल सकता है, जबकि 5 चेहरे पुराने रिपीट हो सकते हैं। नए जिला अध्यक्षों की लंबे समय से अटकी सूची जल्द जारी हो सकती है। कांग्रेस ने इसके पहले 11 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की थी, लेकिन कुछ जिलों में संगठन का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। अब कमजोर प्रदर्शन वाले जिला अध्यक्षों को भी बदलने की तैयारी हो चुकी है। बदलाव संगठन को नया और सक्रिय स्वरूप देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कांग्रेस इस बार पुराने ढर्रे से हटकर संगठन को "परफॉर्मेंस बेस्ड स्ट्रक्चर" में बदलने की दिशा में काम कर रही है। हर 6 महीने बाद जिला इकाइयों की समीक्षा होगी। जो पदाधिकारी बेहतर प्रदर्शन करेंगे, उन्हें प्रदेश पदों या चुनावी जिम्मेदारियों में प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं निष्क्रिय नेताओं को हटाकर नए और सक्रिय चेहरों को मौका दिया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करने के बाद छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सीनियर लीडर्स उनकी ट्रेनिंग दिल्ली में भी करवाएंगे। दिल्ली मुख्यालय जाकर नए जिलाध्यक्ष पार्टी की वर्किंग पैटर्न को सीखेंगे। यहां पर वे राहुल गांधी से भी मुलाकात करेंगे। सूत्रों के अनुसार 10 नवंबर से पहले ये सब प्रक्रिया कांग्रेस कर सकती है।

इनके नामों पर लग सकती है मुहर

रायपुर शहर कांग्रेस की कमान सुबोध हरितवाल और रायपुर ग्रामीण की कमान प्रवीण साहू को मिल सकती है। वहीं दुर्ग ग्रामीण में राकेश ठाकुर, अंबिकापुर में बालकृष्ण पाठक और जगदलपुर में सुशील मौर्या को जिलाध्यक्ष बनाया जा सकता है।

बिलासपुर-धमतरी से दौड़ में फ्रेश फेस

बिलासपुर और धमतरी में नए चेहरे देखने को मिलेंगे। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में पंकज तिवारी और मनोज गुप्ता, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में अशोक श्रीवास्तव और के. डमरू रेड्डी, दुर्ग शहर कांग्रेस में आरएन वर्मा और धीरज बाकलीवाल, भिलाई जिला में मुकेश चंद्राकर और साकेत चंद्राकर जिलाध्यक्ष बनने की रेस में लगे हुए हैं।

दिल्ली में खास बैठक में हुए खास फैसले

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान को लेकर 23 अक्टूबर को दिल्ली में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इसमें AICC महासचिव केसी. वेणुगोपाल, सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पहले चरण में भूपेश बघेल और टीएस. सिंहदेव से वन-टू-वन चर्चा हुई थी। दूसरे चरण में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत से बातचीत हुई थी।

अपमान पर चुप नहीं बैठेंगे

इस घटना पर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नाग ने भावनात्मक शब्दों में कहा कि आज छत्तीसगढ़ की आत्मा को चोट पहुंचाई गई है. जिसने हमें जन्म दिया, उसकी मूर्ति तोड़ दी गई. जब तक न्याय नहीं मिलेगा और नई मूर्ति स्थापित नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और राज्योत्सव जैसे आयोजनों में भी विरोध जताया जाएगा.

जनसम्पर्क के स्टॉल में उपलब्धियों और योजनाओं की झलक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर नवा रायपुर अटल नगर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर में आयोजित 5 दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम में जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी दूसरे दिन लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं, विकास कार्यों, सामाजिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण तथा डिजिटल प्रगति को छायाचित्रों और आंकड़ों के साथ रोचक रूप में प्रदर्शित किया गया है। एलईडी स्क्रीन पर लगातार प्रसारित हो रही "सॉफ्ट स्टोरी" के माध्यम से लोग योजनाओं को सहज और सरल तरीके से समझ रहे हैं।

नयापारा राजिम से आई मां दुर्गा स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे बेहद उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। समूह की अध्यक्ष श्रीमती नेहा साहू ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। साथ ही उनके बच्चे को आंगनवाड़ी केंद्र से पूरक पोषण आहार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। समूह की सचिव श्रीमती संतोषी साहू ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि यहां प्रदर्शित योजनाओं से उन्हें कई नई जानकारियां मिलीं।

प्रदर्शनी में पहुंची नवीन कॉलेज की छात्राएं कुमारी टीनू साहू, खुशबू साहू, पाखी सोनवानी, प्रियंका, काजल निहाल और कंचन यादव ने कहा कि महतारी वंदन योजना, भर्ती में पारदर्शिता और मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना जैसी लोगों के लिए वरदान हैं। उन्होंने कहा हम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है और यह जानकर अच्छा लगा कि सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर है। राज्योत्सव घूमने आई रायपुर की पारुल चंद्राकर, सोनाली धुरंधर और विधि धुरंधर ने जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे बेहद सराहनीय बताया।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल और स्पष्ट रूप से प्रस्तुत की गई है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को योजनाओं की जानकारी सहज रूप से प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध प्रचार सामग्री अत्यंत उपयोगी है, जिससे आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझने में मदद मिल रही है। राज्योत्सव में प्रदर्शनी देखने पहुंचे अन्य दर्शकों ने भी विभाग द्वारा प्रस्तुत सामग्री, पोस्टर और ऑडियो-वीडियो प्रदर्शनों की प्रशंसा की।

शिल्पग्राम में झलकी छत्तीसगढ़ की परंपरा और रचनात्मकता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ रजत जयंती के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। राज्योत्सव परिसर में निर्मित शिल्पग्राम में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और विभिन्न स्टॉलों से मनपसंद चीजों की खरीददारी कर रहे हैं। यहां प्रदेशभर से आए बुनकर और शिल्पकार अपने श्रेष्ठ उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं, जिनमें कोसा और रेशमी साड़ियाँ, पारंपरिक ड्रेस मटेरियल, खादी परिधान, बेलमेटल, काष्ठ कला, माटी कला और टेराकोटा की आकर्षक वस्तुएँ आगंतुकों को खूब लुभा रही हैं। महोत्सव में स्थापित शिल्पग्राम प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्पकला का केंद्र बिंदु बना हुआ है। यहां हस्तशिल्प, माटीकला, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, रेशम प्रभाग, बिलासा हैंडलूम, हथकरघा इत्यादि के स्टाल लगाए गए हैं।

साथ ही राज्योत्सव घूमने आए लोगों के लिए विशेष सजावट कर रंग-बिरंगे और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषणों, पर्वों के प्रतीकों पर आधारित सेल्फ़ी पॉइंट भी बनाए गए हैं, जिसमें सेल्फ़ी लेने की होड़ मची है। यहां बिचौलियों के अभाव में ग्राहकों को उचित मूल्य पर उत्पाद सुलभ हो रही हैं, वहीं शिल्पियों को भी बेहतर आय हो रही है। कुछ दुकानों में अच्छे उत्पाद बाजार से कम मूल्य पर भी उपलब्ध है। ग्राहकों को शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा उत्पादों में छूट भी दी जा रही है।

सड़क सुरक्षा और परिवहन सेवाओं की दे रहे जानकारी

राज्योत्सव में आए आगंतुकों ने परिवहन विभाग के इस स्टॉल को शिक्षाप्रद और जागरूकता बढ़ाने वाला बताया। स्लॉट में आने वाले लोगों ने परिवहन विभाग द्वारा प्रदर्शित पहलुओं को सड़क सुरक्षा और आधुनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया है।स्टॉल में बड़े एलईडी स्क्रीन के माध्यम से 'वाहन चलाने से पहले और वाहन चलाने के दौरान सुरक्षित व्यवहार' पर आधारित वीडियो मॉड्यूल्स दिखाए जा रहे हैं। कुल 37 मिनट के 12 वीडियो मॉड्यूल्स के जरिए वाहन चालकों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। ये सभी मॉड्यूल्स 'सारथी परिवहन प्लेटफार्म' पर भी उपलब्ध हैं। स्टॉल में लगाए गए सिम्युलेटर के माध्यम से आगंतुक सुरक्षित वातावरण में वाहन चलाने का अभ्यास कर रहे हैं। यह सिम्युलेटर वाहन संचालन से पहले प्रशिक्षण का एक उपयोगी माध्यम साबित हो रहा है। परिवहन विभाग के स्टॉल में अंर्तविभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि स्टॉल में विभागीय कार्य में पारदर्शिता और आमजनों में जागरूकता लाने प्रमुखता से बस संगवारी ऐप, ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन पंजीयन प्रमाणपत्र, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट, परिवहन सुविधा केंद्र, इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड रिसर्च सेंटर, राहवीर योजना, शासकीय ट्रॉमा सेंटर और धनरहित उपचार योजना की जानकारी भी दी जा रही है।

25 वर्षों में हर गांव तक पहुंची बिजली की रोशनी

बस्तर में विद्युत क्रांति

बस्तर की पावन धरा अब सिर्फ जंगलों और आदिवासी संस्कृति की गवाह नहीं रह गई, बल्कि बिजली की रोशनी हर गांवों में पहुंची है। पिछले पच्चीस वर्षों में जगदलपुर ग्रामीण संभाग ने विद्युतीकरण के क्षेत्र में जो छलांग लगाई है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। वर्ष 2000 में जहां एक गांव तक बिजली पहुंचाना चुनौती थी, वहीं 2025 में हर मजरा-टोला, हर घर रोशनी से जगमगा रहा है। अब बस्तर जिले में विद्युतीकरण का स्तर सौ फीसदी हो चुका है। आदिवासी बहुल इस इलाके के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। गांव-गांव में फैले विद्युत सुविधा ने जनजीवन को आसान किया। खेती-बाड़ी के लिए सिंचाई में भी किसानों को बड़ी सहूलियत हो रही है।

दूरस्थ ग्रामीण इलाकों तक हो रहा उजियारा

कार्यपालन अभियंता जगदलपुर ग्रामीण संभाग श्री पीके अग्रवानी ने बताया कि जगदलपुर ग्रामीण संभाग के 577 गांव और शहर क्षेत्र का एक गांव मिलाकर कुल 578 गांव अब पूरी तरह बिजली से जुड़ चुके हैं। मजरा-टोलों की संख्या जहां बस्तर में राज्य निर्माण के समय 3989 थी अब बढ़कर 5107 हो गई है, और इनमें से हर एक तक विद्युत की लाइनें पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव सिर्फ तारों और खंभों की कहानी नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे की लंबी कल्याणकारी क्रांति का परिणाम है। 33/11 केवी सब स्टेशनों की संख्या महज छह से बढ़कर 27 हो गई, जिनकी क्षमता 24 मेगावोल्ट एम्पीयर से छलांग लगाकर 138.70 मेगावोल्ट एम्पीयर तक जा पहुंच चुकी है। वहीं 11 केवी लाइनों का जाल 1390 किलोमीटर से बढ़कर 4850 किलोमीटर तक विस्तृत हो चुका है, जबकि कम वोल्टेज की लाइनें 2257 किलोमीटर से बढ़कर 6017 किलोमीटर तक पहुंच गई हैं।

इस सफर में चुनौतियां भी कम नहीं रहीं। इस दौरान झारा घाटी में माओवादियों ने बिजली के टावर को गिरा दिया था, जिसके कारण 20 दिनों से अधिक समय तक आधे से अधिक बस्तर संभाग में बिजली गुल की भयावह समस्या उत्पन्न हुई थी। उसके बाद फिर ब्लैक आउट हुआ था। इन विद्युत अवरोध की स्थिति को देखते हुए बस्तर के समीप परचनपाल में लगभग 450 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 400 केवी सब स्टेशन का निर्माण किया गया, जो क्षेत्रीय ग्रिड को मजबूत बनाते हुए बिजली की स्थिरता और गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहा है। इसी क्रम में 132 केवी क्षमता का एक सब स्टेशन भी स्थापित की गई है, साथ ही 132 केवी लाइनें 180 किलोमीटर से 254 किलोमीटर तक विस्तारित हुई हैं। इन उच्च वोल्टेज सब स्टेशनों के साथ ट्रांसफॉर्मरों में नई क्षमताएं जुड़ीं है और दो गुणा तीन सौ पंद्रह, दो गुणा एक सौ साठ और पांच गुणा चालीस मेगावोल्ट एम्पीयर-जो वोल्टेज ड्रॉप को कम कर बिजली की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला रही हैं। इसके अतिरिक्त, 220 केवी और 33 केवी स्तर पर भी आधारभूत कार्य पूरे हो चुके हैं, जो दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रहे हैं। इन आंकड़ों के पीछे की वास्तविक स्थिति उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या है। वर्ष 2000 में जहां कुल उपभोक्ता 5380 थे, वहीं आज दो लाख 19450 घरों तक बिजली का मीटर लग चुका है। सामान्य उपभोक्ता 59000 से बढ़कर एक लाख 68 हजार हो गए हैं। विद्युत पंप उपभोक्ता 900 से 9083 हो गए हैं और बीपीएल उपभोक्ताओं की संख्या 30 हजार से बढ़कर एक लाख 14 हजार तक जा पहुंची है।

नई विधान सभा का खुला कपाट

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायपुर में छत्तीसगढ़ विधान सभा के नए भवन का उद्घाटन किया, जो राज्य की लोकतांत्रिक यात्रा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस नवीन भवन का उद्घाटन समारोह राज्य के गठन की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया। लोकसभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने इस समारोह में भाग लिया और छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विधानमंडल ऐसी संस्थाएँ हैं जो विश्वास का साकार रूप हैं और नागरिकों की आस्था एवं आकांक्षाओं का प्रतीक हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन संस्थाओं में होने वाली चर्चाओं और विचार-विमर्श की गुणवत्ता ही लोकतंत्र की मज़बूती और शासन की सफलता का निर्धारण करती है।

श्री बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि विधान सभा का नया भवन राज्य में समावेशी विकास और सुशासन को बढ़ावा देगा और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत के विज़न को साकार करने में योगदान देगा। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नए भवन का उद्घाटन देश भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मज़बूत करने हेतु केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विधान सभा का नया परिसर आधुनिक वास्तुकला के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और उन्नत डिजिटल अवसंरचना सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। श्री बिरला ने कहा कि इससे विधायकों को लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और नीति निर्माण एवं लोक कल्याण में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देने का अवसर मिलेगा। श्री बिरला ने गरिमा, संवाद और लोकतांत्रिक व्यवहार की उच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए भवन में ये परंपराएँ और सुदृढ़ होंगी, और यह भवन लोकतांत्रिक आदर्शों का जीवंत केंद्र बनेगा एवं जनप्रतिनिधियों को समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय; छत्तीसगढ़ विधान सभा के अध्यक्ष, डॉ. रमन सिंह; संसद सदस्यगण, मंत्रीगण, विधायकगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राज्योत्सव का उद्घाटन

राज्योत्सव प्रदर्शनी का भ्रमण

आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और भ्रमण

ब्रह्माकुमारीज़ शांति शिखर का उद्घाटन

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण

छत्तीसगढ़ विधान सभा के नए भवन का भ्रमण

छत्तीसगढ़ी लोक गीतों के भाव पक्ष में समाहित जीवन के तत्व

कमल सार्वा

छत्तीसगढ़ी में जीवन के विभिन्न क्षणों, संदर्भों एवं भावों को व्यक्त करने वाले गीतों की कमी नहीं है। छत्तीसगढ़ का जन जीवन जैसे गीत और संगीत की लय पर झूमता रहता है। लगता है निर्धनता, अभावों और पीड़ाओं से लिपटी यहां की जिंदगी को गीत और संगीत ने ही जीने का संबल दिया है। अभावों से जूझते हुए यहां के अधरों पर लोक गीतों के जो फूल खिले हैं उनकी सुगंध से सारा वातावरण महक उठा है। यहां का कोई उत्सव, मुस्कान, पर्व, आंसू ऐसा नहीं है जिसे इन लोक गीतों ने न दोहराया हो, जिसे इन गीतों ने स्वर न दिया हो।

आकाश में जब काले काले बादल झूमते मचल उठते हैं तो धान के खेतों की हरियाली मेड़ों पर से ददरिया के मादक स्वर अंकुराते हुए बीजों की तरह फूट उठते हैं और अपने माधुर्य से सारे वातावरण को भर देतेहैं। श्रृंगार की ऐसी इंद्रधनुषी फुहार पड़ने लगती है, जिसमें कृषि का सारा श्रम घुल जाता है। वर्षा की बिदाईके साथ ही गुलाबी शीत के सुहाने मौसम में जब छत्तीसगढ़ दीपोत्सव के उज्जवल प्रकाश में डूब जाता है, यहां की नारी कण्ठो से निकले सुआ गीतों से मुखरित हो उठती है। चारों ओर करुणा की एक कोमल धारा प्रवाहित होने लगती है। वियोगिनी की पीड़ा हर श्रोता के हृदय में उतर आती है और आंसू पलकों पर छा जाते हैं।

जब पलास की कली कली लाज से रंग उठती है, अमराई जब अपने ही उमड़ते यौवन की सुगंध से बौरा उठती है, जब बसंत का यौवन रंग बिरंगे पुष्पों के रूप में फूट कर अपने उभार पर आ जाता है तब छत्तीसगढ़ का वायुमंडल फाग नामक बसंत गीतों से गूंज उठता है। श्रृंगार और भक्ति से इन गीतों में ऐसी मस्ती है, ऐसा उल्लास है जो गायकों के हृदय में न समाकर फूट पड़ता है। प्रकृति में फूट पड़ने वाले पल्लव की तरह, कलियों की तरह, फूलों की तरह। साहित्य में नौ स्थायी भाव प्रतिष्ठित हैं जो परिपुष्ट होकर क्रमशः सभी रस का रूप धारण करते हैं।

सिरपुर में उत्खनन से देवी-देवताओं से संबंधित अवशेष अब भी हो रहे हैं प्राप्त

राजेश पाण्डेय

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगभग 70 कि मी दूरी पर स्थित सिरपुर में लगातार उत्खनन होने से देवी देवताओं से संबंधित अनेक अवशेष आज भी प्राप्त हो रहे हैं। यहां गंधेश्वर मंदिर के सामने खाली जगह पर खुदाई का काम चल रहा है। लगभग तीन स्तर में 70 मीटर खुदाई करने पर तीन शरभपुरीय, सोमवंशी और कल्चुरी राजवंशों के शासन काल में निर्मित भवन और मन्दिरों के अवशेष मिले हैं। एक मिले स्तम्भ में चारों ओर उलूकवाहिनी लक्ष्मी, हलधर और मयूरासन सरस्वती की मूर्ति अंकित की गई है। शरभपुरीय वंश के एक शिवलिंग के नीचे तल में एक सोने की नंदी और अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई हैं। लगातार खुदाई का क्रम जारी है, और कई खंडित और जीर्ण शीर्ण अवस्था में बड़ी छोटी अनगिनत मूर्तियां मिल रही हैं।

अभी भी प्राचीन अनेक अवशेषों के मिलने का क्रम जारी है। प्राप्त दुर्लभ प्रतिमाएं और अवशेषों को सहेजने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। पुरातत्ववेत्ता भी अपने अथक प्रयासों से तथ्यों को उजागर करने में कोई कमी नहीं कर रहे हैं। शासन प्रशासन भी इस कार्य में भरपूर सहयोग प्रदान कर रही हैं।

मांडव्य ऋषि के नाम पर गांव मंडवाडीह

भगवान श्रीराम आरंग से महानदी मार्ग से आगे बढ़ कर फिंगेश्वर पहुंचे थे। घने जंगल के बीच यहां बाबा मांडव्य ऋषि के आश्रम के साथ कुटिया और यज्ञ शाला मौजूद है। अब यहां बसा गांव मंडवाडीह के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि यहां ही बाबा मांडव्य ऋषि ने तपस्या की थी। मान्यता है कि भगवान राम अपने वनवास काल के दौरान फिंगेश्वर के फ़णिकेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर के राजिम जाने का रास्ता पूछा था, इसलिए यहां राम जानकी का मंदिर स्थापित किया गया है। इस आश्रम में ऐतिहासिक शिव मंदिर भी है। सावन के महीने और महाशिवरात्रि के अवसर पर कांवरिए भोलेनाथ के मंदिर में जल चढ़ाने आते हैं। वहीं इसके पास ही ग्राम हथखोज में सात नदियों का संगम है, जिसमें महानदी, पैरी, सोढूर, सुखा नदी, बेसला, सरगी और बगनई नदी की जलधारा मिलती है। इसलिए इस स्थान का नाम सप्तधारा पड़ा है।

आदिवासी संस्कृति का देव मड़ई-ठेमा बुजुर्ग

डॉ. डी पी देशमुख

दीपावली त्यौहार के बाद एक और उत्सवी व धार्मिक पर्व, मंडई की परंपरा पूरे राज्य में देखने को मिलती है। इन पर्वो में मेल-मिलाप, उमंग, उत्साह, धार्मिक आस्था एवं सामाजिक समरसता का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। कुछ स्थानों में यह पर्व दीपावली के बाद के रविवार को होना निश्चित रहता है. जिसकी सभी को प्रतीक्षा रहती है। मैदानी भाग के व वन क्षेत्र में विशेषकर आदिवासी जाति के इन पर्वो के विधि-विधान भिन्न होते है। धार्मिक आस्था का प्रतिरूप आदिवासी समुदाय इसे देव- मंडई के रूप में मनाते हैं। बालोद जिला के डौंडी ब्लाक में ठेमा-बुजुर्ग का बहुचर्चित देव मंडई का आयोजन आदिकाल से होते आ रहा है। दिवाली पर्व के बाद प्रथम रविवार या सोमवार को नियत तिथि में आसपास के 20-25 गांवों के ग्राम्य देवी-देवताओं की उपस्थिति में ग्राम-ठेमा बुजुर्ग स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर के प्रांगण में यह देव- मंडई विधि-विधान से सम्पन्न होता है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति रहती है।

जनश्रुति के अनुसार कई सौ साल पड़ोसी राजा ने लांझीगढ़ पर आक्रमण कर दिया था। युद्ध में परास्त मरई राजा अपनी फ़ौज के साथ पानाबरस पार कर डौंडी के समीप ग्राम कामता पहुंचे, वहाँ से घोरदा गांव होते हुए ठेमा नदी को पार कर बस्तर चले गए। इधर राजा के पुजारी व अन्य प्रजा भी आ गए थे। राजा के जाने के बाद नेताम पुजारी गण जिन्हें दीवान की उपाधि मिली थी, घोरदा होते हुए मरई राजा के देवी-देवता के साथ ठेमा पहुंचे, उनके साथ बची हुई सेना और प्रजा भी साथ में थे। सुरक्षा की दृष्टि से ठेमा में नियमित युद्ध कला का प्रदर्शन होता था इस कारण कालांतर में गांव का नाम ठेमा-कला रखा गया। नेताम दीवानों के बुजुर्ग पितामह भूमियार डोकरा की मृत्यु के बाद यहाँ समाधि बनी तत्पश्चात इस गांव का नाम ठेमा-बुजुर्ग हो गया। ताम दीवान व लांझी से आये अन्य प्रजा भी यहीं बस गए, उन्होंने भक्तिभाव से मां दंतेश्वरी की मूर्ति स्थापना की एवं साथ लाये अन्य देवी-देवताओं को स्थापित कर खपरैल का मंदिर निर्माण किया गया। यहाँ स्थानीय देवी-देवताओं को भी महत्व दिया गया। देवस्थल में प्राचीन अख-शख को भी सुसज्जित किया गया है। इसी स्थल पर सैकड़ों साल पहले से ठेमा-बुजुर्ग का देव मंडई-मेला प्रति वर्ष धूमधाम से होता आ रहा है। आयोजन के पूर्व मंडई समिति द्वारा आसपास के गांवों में निमंत्रण भेजता है, ग्रामीण अपने कुल देवी-देवता को लेकर मेले में आते हैं। ऐसी मान्यता है कि निमंत्रण मिलने के बाद भी यदि गांव के लोग शामिल नहीं होते, तो उनके देवी-देवता नाराज हो जाते है और गांव में अनेक प्रकार की विपत्ति आती है। इस अंचल के सभी बैगा अपने दल-बल लेकर बाजा गाजा के साथ मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में पहुंचते हैं, गांव वाले भी अपने दल के साथ डांग मंडई लेकर आते हैं।

दंतेश्वरी माता मंदिर का पुजारी और गांव का बैगा देवी-देवताओं का आव्हान कर एक दूसरे के कमर में हाथ डालकर, डांग लेकर आये लोगों के पास जाते हैं। बैगा अपने कुलदेवी को सुमरता है, तब उस पर देवता समाहित होता है और वह झूमने लगता है। ठीक वैसे ही डांग पकड़ने वाले भी झूमने लगते है, उसका पैर थमता नहीं है, वह मचलता है मां दंतेश्वरी के दर्शन करने के लिए। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद यह समझा जाता है कि देवी-देवता मंडई में प्रविष्ट हो गए। मंडई के निर्विघ्न सम्पन्न होने के लिए डांग लेकर, बाजा गाजा के साथ बैगा व अन्य लोग पूरे मेला स्थल का परिक्रमा करते है। रंगबिरंगे परिधान में कुछ देवता चढ़े खुले बदन में बैग की भावभंगिमा, बाजा गाजा के साथ भक्तिभाव से सराबोर यह दृश्य अत्यन्त ही रोमांचक व अद्भुत होता है जिसे मंडई में उपस्थित सभी दर्शक देखना चाहते हैं व देवी-देवताओं का आशीष लेना अपना परम सौभाग्य समझते हैं।

सुकांत राजपूत
मोबाईल नंबर 9827181979

छत्तीसगढ़ के विकास का सारा श्रेय डॉ. रमन सिंह को दिया

- जो कभी कैप्टन हुआ करते थे अब अपनी टीम में खिलाडी हैं
- कहा; विकास की मजबूत नींव पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने रखी
- विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन के परिवार से की आत्मीय मुलाकात
- पीएम मोदी बोले; विकास को आगे बढ़ाने का जिम्मा CM साय का है

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अगर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की तारीफों के कसीदे खुद देश का प्रधानमंत्री पढ़े तो सियासी गलियारे में कयास और अटकल लगना लाज़मी है। 25 बछर के छत्तीसगढ़ राज्य की मजबूत नींव और विकास का सारा श्रेय रमन सिंह को देकर चले गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

सबसे काबिल... डॉ. रमन सिंह

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के आज के विकास की मजबूत नींव पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने रखी थी। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले यहां सड़कों का भारी अभाव था और गांवों तक पहुंचना मुश्किल होता था। मोदी ने कहा, "आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछ चुका है। राज्य में 40 हजार किलोमीटर तक सड़कों का निर्माण हुआ है और नेशनल हाईवे का व्यापक विस्तार हुआ है। छत्तीसगढ़ के विकास में कई सरकारों ने योगदान दिया है, लेकिन सबसे बड़ा श्रेय डॉ. रमन सिंह को जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए अनेक चुनौतियों का सामना कर राज्य को विकास की राह पर अग्रसर किया। आज वे विधानसभा अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।"

विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ जरूरी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में विकसित छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रदेश के विकास में अग्रसर हों। मोदी ने कहा, "यह मोदी की गारंटी है कि आपके हर कदम और हर संकल्प के साथ मोदी खड़ा है। छत्तीसगढ़ और देश एक साथ आगे बढ़ेंगे और विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे।"

क्यों खफा खफा हैं बीजेपी के ये दिग्गज?

राज्योत्सव में पीएम मोदी के अधिकांश कार्यक्रमों से बीजेपी के दिग्गज नेताओं की दूरियां चर्चा का विषय है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, धरमलाल कौशिक, गौरी शंकर अग्रवाल, पुन्नू लाल मोहले समेत कई पार्टी दिग्गज फोटो फ्रेम से नदारद रहे। जनसंपर्क से लेकर मिडिया कवरेज में जुटी पत्रकारों की टीम को भी इन दिग्गजों के दीदार नहीं हुए। हालांकि सांसद बृजमोहन अग्रवाल की एक तस्वीर जरूर सोशल मिडिया में वायरल हुई जिसमें मोदी की एक जगह अगुवाई करते वे दिख रहे हैं। इस फोटो को कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भी एकात्म परिसर विवाद की उन पुरानी बातों की याद दिलाते हुए डाला जिसे पार्टी समेत पीएम मोदी भी भूल गए हैं। सियासी गलियारे में दिग्गजों की नाराजगी की भी बातें होती रहीं।

अब विकास करने का जिम्मा साय का

पीएम मोदी ने कहा. डा. रमन सिंह ने छत्तीसगढ को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम किया। अब इस विकास को आगे बढ़ाने का जिम्मा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का है। साथ सरकार अब छत्तीसगढ़ को तेजी से आगे ले जाने का काम कर रही है। काफी कम समय में बहुत से काम हुए हैं। मोदी की गारंटी को भी पूरा करने का काम साय सरकार ने किया है। श्री मोदी ने कहा, जब छत्तीसगढ़ राज्य बना था, तब राज्य में सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, लेकिन आज छत्तीसगढ़ में 14 मेडिकल कॉलेज हैं।

मोदी की गारंटी को कर रहे पूरा : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश के करीब 18 लाख परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रह गए थे। उन्होंने बताया, "मोदी जी ने विधानसभा चुनाव के दौरान वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने पर गरीबों के इन 18 लाख आवासों को मंजूरी दी जाएगी। सरकार बनते ही हमने पहला काम यही किया।" मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार मोदी की गारंटी के अंतर्गत किए गए सभी वादों को क्रमबद्ध रूप से पूरा कर रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।